नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

आज का विचार

हर नया दिन एक नया अवसर है, इसे अपने सबसे अच्छे तरीके से जिएं।



वर्ष : 01 | अंक : 56 | नोएडा, वीरवार, 26 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

19934 करोड़ के प्रस्ताव को कैबिनेट की हरी झंडी

पांच सेक्टर्स को होगा बड़ा फायदा अन्य प्रस्तावों को भी मिली मंजूरी



नई दिल्ली (एजेंसी)। इंफ्रास्ट्रक्चर के बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए टनल बोरिंग मशीन या टीबीएम बेहद जरूरी उपकरण है। अभी इसका आयात करना होता है।

आने वाले दिनों में इसका निर्माण भारत में ही होगा। यही नहीं, कंस्ट्रक्शन से जुड़े बड़े इक्विपमेंट भी अब देश में ही बनेंगे। इसके इकोसिस्टम विकसित करने लिए सरकार ने 11,000 करोड़ रुपये की योजना को हरी झंडी दी है। इसके साथ ही चार अन्य प्रोजेक्ट्स के लिए सरकार ने करीब 20,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव हो हरी झंडी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई कैबिनेट की बैठक में फैसला लिया गया।

बंदरगाह के लिए 4,288 करोड़

मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु के कामराजार बंदरगाह में दूसरे कंटेनर टर्मिनल के डेवलपमेंट के लिए कुल 4,288 करोड़ रुपये की परियोजना को हरी झंडी दिखाई है। मंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के बंदरगाहों ने 25.7 मिलियन (ट्वेंटी-फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स) हैंडलिंग की, जो वित्त वर्ष 2019-20 में 17.2 मिलियन टीईयू ही थी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2025-26 तक सभी बंदरगाहों के कंटेनर ट्रैफिक में 6.9 फीसदी चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर की वृद्धि हुई है। कामराजार पोर्ट लिमिटेड का कंटेनर 9 से 11 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।

राहुल की संपत्ति की सीबीआई-ईडी से जांच का आदेश रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राहुल गांधी की जांच का आदेश रद्द कर दिया। यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई और ईडी को दिया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामला फिर हाईकोर्ट भेज दिया। हाईकोर्ट अब राहुल गांधी को पक्ष बनाएगा और उनका पक्ष सुनने के बाद नया आदेश देगा। मई में हाईकोर्ट ने बीजेपी कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की शिकायत पर सीबीआई और ईडी को आरोपों की जांच के निर्देश दिए थे। शिशिर ने राहुल गांधी और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ जांच की मांग की थी। राहुल गांधी ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि याचिकाकर्ता का इस मामले में कोई अधिकार नहीं है और उसने अपनी पहचान या योग्यता भी नहीं बताई है।



भारत-चीन समेत 16 देशों पर टैरिफ बढ़ा सकता है अमेरिका

सस्ते विदेशी सामान से यूएस की कंपनियों को नुकसान का आरोप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका इसी हफ्ते भारत, चीन समेत 16 देशों से आने वाले सामान पर इसी हफ्ते टैरिफ बढ़ा सकता है। आरोप है कि ये देश सरकारी मदद से जरूरत से ज्यादा सामान बना रहे हैं और इन्हें सस्ते दामों पर बेच रहे हैं। इससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो रहा है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर इस मामले में 11 मार्च से चल रही जांच के नतीजे जारी कर सकते हैं। यह जांच 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून के तहत हो रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर अमेरिका दूसरे देशों के सामान पर अतिरिक्त टैरिफ लगा सकता है। हालांकि, टैरिफ की नई दरें अभी तय नहीं हुई हैं। अमेरिकी ने इसी साल फरवरी में टैरिफ दर घटाकर 18 कर दी थी।



जबरन मजदूरी के मामले में भी टैरिफ की तैयारी

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने जुलाई में विदेशी सप्लाई चेन में जबरन मजदूरी को लेकर भी जांच पूरी की थी। कार्यालय के मुताबिक, इस मामले में कई व्यापारिक साझेदार देशों पर 10 से 12.5 फीसदी तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया जा सकता है। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। दोनों देशों ने फरवरी में समझौते की रूपरेखा तय की थी। लेकिन अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पिछले साल लगाए गए टैरिफ रद्द किए जाने के कारण बातचीत बंद थी।

हमें सम्मानजनक सीटें चाहिए, तीन डिजिट से कम मंजूर नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गुरुवार को लखनऊ में प्रस्तावित संविधान बचाओ यात्रा की तैयारी को लेकर लखनऊ में जुटे पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की सीटों के बंटवारे को लेकर फायर हैं।



सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद के बाद अब उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का गुस्से वाला बयान सामने आया है। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की सीटों की संख्या पर बात फाइनल होने से पहले ही सपा की उम्मीदवारों की लिस्ट सामने आने पर राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सीटों की घोषणा कभी भी की जा सकती है।

राजनीति सीएम शुभेंदु अधिकारी बोले-पूर्व राष्ट्रपति ने की थी चर्चा

प्रणब मुखर्जी ने दी थी बीजेपी में जाने की सलाह

पूछा था-टीएमसी में कर्मचारी बने रहना है या आगे बढ़ना है

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उन्हें टीएमसी छोड़कर प्रधानमंत्री मोदी के साथ आने की सलाह दी थी। उन्होंने मंगलवार को कोलकाता में एक समिट के दौरान यह बात कही। शुभेंदु के मुताबिक, राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे प्रणब मुखर्जी से मिलने राष्ट्रपति भवन गए थे, तब दोनों के बीच यह बातचीत हुई थी।

शुभेंदु अधिकारी ने बताया कि प्रणब मुखर्जी ने उनसे कहा था, सोचिए कि आप क्या करना चाहते हैं। अगर कर्मचारी बनकर रहना चाहते हैं तो यहीं रहिए। अगर अपने दम पर आगे बढ़ना चाहते हैं तो मोदीजी के साथ रहिए। अधिकारी ने प्रणब मुखर्जी को अपना ओरिजिनल एडवाइजर बताया। उन्होंने कहा कि मुखर्जी उनके अभिभावक की तरह थे। राजनीति से अलग भी हर भारतीय उनका सम्मान करता है। प्रणब मुखर्जी का अगस्त 2020 में निधन हुआ था।



बातचीत की तारीख बताने से इनकार किया

जब शुभेंदु से पूछा गया कि प्रणब मुखर्जी के साथ यह बातचीत कब हुई थी, तो उन्होंने तारीख बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रणब मुखर्जी अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनके बयान से विवाद हो सकता है, इसलिए वे इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते। शुभेंदु ने प्रणब मुखर्जी की एक और टिप्पणी का जिक्र किया। उनके मुताबिक, मुखर्जी ने पार्टी को बुआ-भतीजे की जोड़ी से चलने वाली पार्टी बताया था। यह टिप्पणी ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के संदर्भ में थी। शुभेंदु अधिकारी पहले ममता बनर्जी के करीबी नेताओं में गिने जाते थे। एक समय उन्हें टीएमसी में ममता के बाद सबसे ताकतवर नेताओं में गिना जाता था। शुभेंदु ने 2009 और 2014 में तमलुक लोकसभा सीट से चुनाव जीता। 2016 में नंदीग्राम से विधायक बने और ममता सरकार में परिवहन मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। उनके पास पर्यावरण मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी था। वे कई जिलों में पार्टी के चुनावी अभियान और संगठन की जिम्मेदारी भी संभालते थे। हालांकि, पार्टी में अभिषेक बनर्जी का कद बढ़ने के साथ शुभेंदु और टीएमसी नेतृत्व के बीच मतभेद बढ़ने लगे। अभिषेक को ममता का उत्तराधिकारी माना जाने लगा था।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत पर 3-चीनी सैटेलाइट की थी नजर

दावा-4 दिन भुज, जामनगर और रिलायंस रिफाइनरी की एक्टिविटी देखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 3 चीनी सैटेलाइट भारत के पश्चिमी तट पर लगातार नजर रख रहे थे। इन सैटेलाइट्स ने 4 दिन भुज, नलिया, जामनगर और रिलायंस रिफाइनरी की एक्टिविटी देखी। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट्स में भारतीय स्पेस सर्विलांस और इंटेलिजेंस कंपनी डिगंतारा के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट्स ने भारत के नौसैनिक और वायुसेना ठिकानों की निगरानी की। पोर्ट और महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल एरिया की भी निगरानी की गई। ऑपरेशन सिंदूर 7 मई 2025 को शुरू हुआ था और चार दिन चला था। इसी दिन इन सैटेलाइट्स ने अपनी कक्षा बदली थी।



दीपम विवाद! तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मांगी माफी, कहा-मंदिर ट्रस्ट ने रोका

कोर्ट के आदेश के बावजूद स्तंभ पर नहीं जला दीप

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने के विवाद को लेकर राज्य सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगी। मदुरै कलेक्टर ने कोर्ट में दाखिल हलफनामे में बताया कि सरकार ने दीपथून यानी पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने की पूरी कोशिश की लेकिन देवस्थानम यानी मंदिर प्रशासन ने उसे रोका। सरकार के मुताबिक, मंदिर प्रशासन का कहना था कि दीपथून पर दीप जलाना स्थापित परंपराओं और धार्मिक रीति-रिवाजों के खिलाफ है। इसलिए दीप केवल उचि पिल्लैयार मंदिर के पास पारंपरिक स्थान पर जलाया गया। 20 नवंबर को कोर्ट ने आदेश दिया था।



बीजेपी और हिंदू संगठनों के करीब 300 सदस्यों के खिलाफ केस

कार्तिगई दीपम विवाद के बीच मंगलवार को बीजेपी और हिंदू संगठनों ने राज्य भर में प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब 300 सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। रामनाथपुरम में हिंदू फ्रंट के सदस्यों ने सड़क जाम कर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

पहाड़ी पर लगातार दूसरे दिन आम लोगों की एंट्री बंद

विवाद के बाद बुधवार को लगातार दूसरे दिन श्रद्धालुओं और आम लोगों को तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर जाने से रोका गया। पलानी अंडावर मंदिर के प्रवेश द्वार के पास भारी पुलिस बल तैनात रहा। पहाड़ी की ओर जाने वाले रास्ते पर बैरिकेडिंग की गई। स्थानीय लोगों को भी जांच के बाद ही जाने दिया गया। पहाड़ी पर सुरक्षा व्यवस्था 23 नवंबर की शाम 6 बजे से लागू है। सुप्रीम कोर्ट ने दीपथून पर दीप जलाने की अनुमति देते हुए आम लोगों, जुलूस और भीड़ को वहां जाने से रोकने का निर्देश दिया था। यह व्यवस्था कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ एक बार दीप जलाने की इजाजत दी थी

तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर दीपथून यानी पत्थर के स्तंभ पर दीप जलाने को लेकर अरुलमिगु सुब्रमणिया स्वामी मंदिर और सिकंदर बदूशा दरगाह के बीच लंबे समय से विवाद है। मंदिर पहाड़ी के नीचे स्थित है, जबकि दरगाह और दीपथून पहाड़ी पर हैं। हिंदू संगठन दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की मांग करते रहे हैं। वहीं, दरगाह के पास होने के कारण इस मांग का विरोध होता रहा है। पुराने अदालती रिकॉर्ड के मुताबिक, 1862 और 1912 में भी दीपथून पर दीप जलाने की कोशिश हुई थी। दोनों बार अधिकारियों ने इसकी अनुमति नहीं दी। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को इस साल 24 नवंबर को दीपथून पर कार्तिगई दीपम जलाने की एक बार की अनुमति दी थी। कोर्ट ने कहा था कि मंदिर प्रशासन की टीम अधिकारियों की निगरानी में दीप जलाएगी। आम लोगों को वहां जाने की अनुमति नहीं होगी। कोर्ट ने यह भी साफ किया था कि यह अनुमति केवल इस साल के लिए है।

आईपीएस अफसरों की पार्टी में मारपीट

डीआईजी के वार से एसएसपी घायल

वजह साफ नहीं सीएम हिमंता बोले-यह अफसरों का निजी मामला है



दिसपुर (एजेंसी)। असम के कोकराझार में एक पार्टी के दौरान दो आईपीएस अफसरों के बीच मारपीट हो गई। बताया जा रहा है कि किसी बात पर हुई बहस के बाद कोकराझार के एसएसपी अक्षत गर्ग और डीआईजी वाईटी गेत्सु आपस में भिड़ गए। हाथापाई में एसएसपी गर्ग को कई चोटें आई हैं। पार्टी 7वीं बटालियन के परिसर में आयोजित की गई थी।

दिन में सीएम ने दी अनुशासन की सीख, रात में झगड़ा

यह घटना उस दिन सामने आई, जब मुख्यमंत्री ने डेरगांव स्थित लाचित बोरफुकन पुलिस अकादमी में नए भर्ती पुलिसकर्मियों की पासिंग आउट परेड को संबोधित किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अनुशासन बनाए रखने, नशे से दूर रहने और गाली-गलौज या अनुचित भाषा का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी। सीएम ने कहा कि पुलिसकर्मियों के शब्दों, व्यवहार और काम में वर्दी की गरिमा और जिम्मेदारी झलकनी चाहिए।

सीएम ने डीजीपी को सौंपी सुलह की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के डीजीपी को विवाद सुलझाने की जिम्मेदारी दी। डीजीपी ने वरिष्ठ अधिकारी सुरेंद्र कुमार को दोनों अफसरों के बीच विवाद सुलझाने के लिए हस्तक्षेप करने को कहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एसएसपी गर्ग को कितनी चोटें आई हैं।

सरकार ने दलाई लामा को लुटियंस जोन में दिया बंगला

यह घर पंडित रविशंकर शुक्ल लेन पर, विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर हुआ आवंटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने तिब्बती आध्यात्मिक गुरु 14वें दलाई लामा को नई दिल्ली के लुटियंस इलाके में सरकारी बंगला आवंटित किया है। यह बंगला पंडित रविशंकर शुक्ल लेन पर स्थित है। दलाई लामा के निजी कार्यालय गादेन फोद्रंग ट्रस्ट को विदेश मंत्रालय के अनुरोध पर टाइप-7 बंगला दिया गया है। हालांकि, केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने इस आवंटन पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। ऐसे सरकारी आवास आमतौर पर तीन साल के लिए आवंटित किए जाते हैं, जिन्हें आगे बढ़ाया जा सकता है। यह बंगला दिल्ली में संसद से करीब तीन किलोमीटर दूर है। तिब्बती संसद-इन-एक्साइल ने इस फैसले के लिए भारत सरकार का आभार जताया है। संसद की अध्यक्ष डोलमा त्सेरिंग ने कहा कि यह दलाई लामा और तिब्बती समुदाय के प्रति भारत के समर्थन का महत्वपूर्ण संकेत है।





भाजपा ने विजय सरकार पर कार्तिगई दीपम को लेकर हिंदू धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया



दीपावली की पूर्व संध्या पर शंकराचार्य की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार ऐसी घटनाओं के जरिए सनातन भारतीय संस्कृति और हिंदू आस्था को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कार्तिगई दीपम पर्व के दौरान दीप प्रज्ज्वलित करने की अनुमति नहीं दिए जाने को लेकर तमिलनाड की तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के नेतृत्व वाली सी. जोसेफ विजय की सरकार, कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का जानबूझकर पालन नहीं किया और भारतीय संस्कृति एवं हिंदू धार्मिक भावनाओं को आहत किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में सवाल उठाया कि देव दीपावली के दिन कार्तिगई दीपम पर दीप प्रज्ज्वलित करने से रोकने का अधिकार टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार, कांग्रेस या इंडी गठबंधन को किसने दिया? उनकी क्या हैसियत है कि वे किसी दूसरे मजहब के पर्व के दिन लोगों को यह धार्मिक कार्य करने से रोकें? यह मामला केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना का नहीं, बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के सम्मान का भी है। उन्होंने कहा कि कार्तिक मास की पूर्णिमा उत्तर भारत में कार्तिक पूर्णिमा और गंगा स्नान के रूप में मनाई जाती है। इसी दिन देव दीपावली मनाई जाती है, जबकि तमिलनाडु में इसे कार्तिगई दीपम के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म की आस्था से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट ने कार्तिक पूर्णिमा के दिन दीपथून पर कार्तिगई दीपम प्रज्ज्वलित करने के लिए कुछ शर्तों के साथ केवल एक दिन की अनुमति दी थी। इसमें सीमित संख्या में लोगों को शामिल होने की इजाजत थी, इसके बावजूद तमिलनाडु सरकार ने इस आदेश का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाई कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आदेश को लागू नहीं करना न्यायपालिका के सम्मान से जुड़ा गंभीर सवाल है। डॉ. त्रिवेदी ने इस घटनाक्रम को इंडी गठबंधन के लिए दूसरा 'शाहबानो मामला' बताते हुए कहा कि यह कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लगातार दोहरे रवैये को दर्शाता है। उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय का जिक्र कर कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान चर्च में घुटनों के बल जाकर प्रार्थना करना आस्था का विषय माना जाता है, लेकिन जब एक दिन के लिए सीमित संख्या में लोगों के साथ दीप प्रज्ज्वलित करने की बात आती है तो धर्मनिरपेक्षता खतरे में बताई जाने लगती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या धर्मनिरपेक्षता की यही परिभाषा है कि हिंदू धार्मिक भावनाओं को आहत किया जाए? भाजपा प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि तमिलनाडु में संवैधानिक व्यवस्था का दुरुपयोग किया जा रहा है। यदि हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग मंदिर के खिलाफ मुकदमा लड़ने के लिए वकीलों का खर्च उठा रहा है, तो यह संवैधानिक व्यवस्था और धार्मिक संस्थाओं के साथ अन्याय का एक और उदाहरण है। यह पहली बार नहीं है जब तमिलनाडु में इस तरह की स्थिति सामने आई है।

ग्रामीण पेयजल योजनाओं के रखरखाव के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने की कवायद



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की उपस्थिति में बुधवार को यहां जल शक्ति मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मंत्रालय के मुताबिक इस समझौते का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण पेयजल योजनाओं के नियमित संचालन एवं रखरखाव के लिए स्थानीय स्तर पर कुशल मानव संसाधन तैयार करना है। इसके माध्यम से ग्रामीण युवाओं को आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनके लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। समझौते के तहत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति प्रणालियों के प्रभावी संचालन और रखरखाव के लिए प्रशिक्षित कार्यबल विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजनाओं की निरंतरता, कार्यक्षमता और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित और दीर्घकालिक रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लक्ष्य की दिशा में मोदी सरकार की यह पहल महत्वपूर्ण है। यह समझौता ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं के कौशल विकास और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगा।

सिरसा ने नशे के खिलाफ कार्रवाई को लेकर पंजाब सरकार के दावे पर उठाए सवाल



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। पंजाब में नशे के खिलाफ कार्रवाई को लेकर राज्य की आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार की ओर से जारी आंकड़ों पर दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सवाल उठाए हैं। सिरसा ने दावा किया कि पंजाब सरकार ने 632 दिनों में नशे से जुड़े मामलों में 94,746 लोगों की गिरफ्तारी का आंकड़ा पेश किया है, लेकिन यह आंकड़ा जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाता। उन्होंने पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के बयान का जिक्र करते हुए सरकार के दावे को चुनौती दी। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिरसा ने आरोप लगाया कि आआपा सरकार नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय छोटे अपराधों में मामले दर्ज कर रही है, ताकि आरोपियों को बाद में जमानत मिल सके। यदि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को वास्तव में नशा तस्करी के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया गया होता, तो उन्हें इतनी आसानी से जेल से बाहर आने का मौका नहीं मिलता।

हचान संबंधी दस्तावेजों में हेरफेर करके एक करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज लेने के आरोप में दो भाई गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दो भाइयों को गिरफ्तार किया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने दूसरों के जाली और छेड़छाड़ किए गए पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल करके बैंकों और वित्तीय संस्थानों से 1 करोड़ रुपए से अधिक के 70 से ज्यादा लोन लिए। आरोपियों की पहचान गौरव छाबड़ा (35) और शुभम उर्फ दिव्यांग छाबड़ा (24) के तौर पर हुई है, जो ओम प्रकाश छाबड़ा के बेटे हैं और हरियाणा के गुरुग्राम के सेक्टर 7 में ज्योति पार्क के रहने वाले हैं। पुलिस ने 11 मोबाइल फोन, 10 सिम कार्ड, 27 एटीएम/डेबिट कार्ड, 21 चेक बुक, छह बैंक पासबुक और 16 पहचान के कागजात बरामद किए हैं जिन पर शक है कि फर्जी पते हैं। यह मामला दिल्ली के पटपड़गंज के रहने वाले गौरव छाबड़ा की शिकायत के बाद सामने आया। उन्होंने अपने परमानेंट अकाउंट नंबर से जुड़े कई लोन अकाउंट का पता चलने पर ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन में शिकायत की थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उन्होंने न तो लोन के लिए अप्लाई किया था और न ही लोन लिया था, लेकिन पाया कि उनके पैन के सामने कई लोन अकाउंट दिखाए गए थे, जिससे उनके सीआईबीआईएल स्कोर और क्रेडिट पर बुरा असर पड़ा।

आय से अधिक संपत्ति मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशों को रद्द कर दिया है और मामले को नए सिरे से विचार के लिए हाईकोर्ट वापस भेज दिया है। अदालत ने राहुल गांधी को इस मामले में पक्षकार के रूप में शामिल करने का निर्देश भी दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें इस मामले में लगे आरोपों की सीबीआई और ईडी से जांच कराने का आदेश दिया गया था। हाईकोर्ट ने यह आदेश भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की याचिका पर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मामला वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से कहा कि वो इस मामले में नए सिरे से विचार करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट को राहुल गांधी का पक्ष सुने बिना आदेश नहीं देना चाहिए था। बता दें कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया था और केंद्रीय जांच एजेंसियों से जांच की मांग की थी। 12 मई 2026 को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कहा था कि यदि याचिकाकर्ता की शिकायत एजेंसियों को मिली है, तो आरोपों का कानून के अनुसार सत्यापन किया जाए और सीबीआई व प्रवर्तन निदेशालय कानून के तहत उचित कदम उठा सकते हैं। इसके बाद 20 जुलाई 2026 को हाईकोर्ट ने सीबीआई के हलफनामे पर असंतोष जताया था और आगे की प्रगति व रिपोर्ट मांगी थी। राहुल गांधी ने हाईकोर्ट के आदेशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

असम के सिलचर ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास को मंजूरी

योजना के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचे के तौर पर 12,351 वर्ग मीटर की टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा।



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार असम के सिलचर जिले के डोलू में 2,014 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का विकास करेगी। एयरपोर्ट से पूर्वोत्तर भारत की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विकास गलियारों (ग्रोथ कॉरिडोर) के साथ कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय की योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचे के तौर पर 12,351 वर्ग मीटर की टर्मिनल बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। व्यस्ततम समय में एयरपोर्ट की क्षमता 800 यात्रियों की होगी। इसमें 2,705 मीटर × 45 मीटर का रनवे होगा। साथ ही छह एयरबस ए-320 विमानों के लिए एप्रन पार्किंग क्षमता होगी। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट दक्षिण असम और बराक घाटी के लिए एक नया प्रवेश द्वार बनेगा।

इससे मौजूदा सिलचर एयरपोर्ट की परिचालन और जगह संबंधी कमियों दूर होंगी। इससे दक्षिण असम और पड़ोसी राज्यों के नजदीकी इलाकों में हवाई यातायात की बढ़ती मांग पूरी होगी। इसके अलावा क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और आर्थिक संभावनाओं को बढ़ावा मिलेगा।

सपा की सूची पर इमरान मसूद बोले-

हम भिखारी नहीं हैं, 26 सीटें मांगी ही नहीं थीं



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) की ओर से पांच उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने पर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद इमरान मसूद ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी और दिल्ली में बैठकें हो रही थीं। ऐसे में बातचीत के बीच लखनऊ से उम्मीदवारों की घोषणा करना गठबंधन की गंभीरता पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सपा से 26 सीटें मांगी ही नहीं थीं और उनकी पार्टी भिखारी नहीं है। इमरान मसूद ने बुधवार को यहां पत्रकारों से कहा कि एक तरफ गठबंधन की बातचीत की जा रही है और दूसरी तरफ उम्मीदवारों की घोषणा हो रही है। यह तरीका गठबंधन के लिए उचित नहीं है। इस घटनाक्रम से उन्हें ठेस पहुंची है। उनकी पार्टी अब इस पर आंतरिक चर्चा करेगी कि आगे बातचीत जारी रखनी है या नहीं। इस संबंध में अंतिम फैसला पार्टी ही करेगी। मसूद ने कहा कि सपा ने 26 सीटों का प्रस्ताव देने और उन सीटों पर कांग्रेस के कम वोट मिलने का तर्क दिया है। क्या कांग्रेस को यह पूछने का अधिकार नहीं है कि सपा को किन सीटों पर कितने वोट मिले थे। मसूद ने कहा कि कांग्रेस ने न तो 26 सीटें मांगी थीं और न ही किसी खास सीट को देने का आग्रह किया था। इसके बावजूद उन सीटों की घोषणा कर दी गई, जिनकी मांग कांग्रेस ने की ही नहीं थी। उन्होंने कहा कि गठबंधन को गंभीरता और आपसी भरोसे के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कांग्रेस का लक्ष्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराना है और पार्टी अपने नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में इस दिशा में प्रतिबद्ध है। मसूद ने कहा कि सपा को तय करना चाहिए कि वह भाजपा से मुकाबला करना चाहती है या कांग्रेस से। यदि यही तरीका है तो सपा सभी 400 से अधिक सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दे। मसूद ने कहा कि उन्हें किसी की राय से आपत्ति नहीं है। वह अपनी पार्टी को मजबूत करने और अपने नेता के रुख के साथ खड़े रहने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सपा ने जिन पांच उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, उसमें सहारनपुर जिले की बेहट सीट से उमर अली खान और सहारनपुर सीट से आशु मलिक को फिर उम्मीदवार बनाया गया है।

निर्माण एवं बुनियादी ढांचा उपकरण विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन योजना लाई सरकार

मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार निर्माण एवं बुनियादी ढांचा उपकरण विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए 11 हजार करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना लेकर आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज निर्माण एवं अवसंरचना उपकरण (सीआईई) विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र योजना को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य सीआईई और इसके पुर्जों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

योजना की अवधि 8 वर्ष (वित्त वर्ष 2026-27 से 2033-34 तक) होगी। योजना के दो घटक हैं, पहला बिक्री-आधारित प्रोत्साहन और सीआईई परीक्षण सुविधा। बिक्री आधारित प्रोत्साहन के तहत पात्र ओईएम और पुर्जा निर्माताओं के लिए पांच वर्षों में होने वाली अतिरिक्त बिक्री पर 13 से 8 प्रतिशत तक का श्रेणीबद्ध प्रोत्साहन दिया जाएगा। वहीं परीक्षण सुविधा के तहत एक समर्पित परीक्षण सुविधा स्थापित करने के लिए 375 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सीआईई इकोसिस्टम के निर्माण से घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। सप्लाई चेन की सुरक्षा बेहतर होगी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। साथ ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़ोतरी होगी।

रियाद के वित्तीय जिले पर हमले की भारत ने की कड़ी निंदा, दो भारतीय घायल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारत ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद के वित्तीय जिले में एक इमारत पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि इस हमले में दो भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। रियाद स्थित भारतीय दूतावास घायलों और उनके परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि भारत 24 नवंबर को रियाद के वित्तीय जिले की एक इमारत पर हुए हमले और सऊदी अरब में नागरिक, आर्थिक तथा ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाकर किए जा रहे लगातार हमलों की कड़ी निंदा करता है। बयान के अनुसार, रियाद के वित्तीय जिले पर हुए हमले में दो भारतीय भी घायल हुए हैं। भारतीय दूतावास घायलों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रहा है। भारत ने कहा कि इस तरह के हमलों से आम नागरिकों का जीवन गंभीर खतरे में पड़ता है। ये हमले सऊदी अरब की संप्रभुता का उल्लंघन करने के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को भी प्रभावित करते हैं। भारत ने ऐसे हमलों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। बयान में कहा गया है कि भारत सऊदी अरब की जनता और सरकार के साथ अपनी दृढ़ एकजुटता दोहराता है। साथ ही सऊदी अरब की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता तथा वहां के नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उसके प्रयासों को अपना अटूट समर्थन देता है।

भारत मंडपम में 27 नवंबर को होगी आईओआरए मंत्रिपरिषद की बैठक, जयशंकर करेंगे अध्यक्षता

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारत की मेजबानी में हिंद महासागर क्षेत्रीय सहयोग संगठन (आईओआरए) की 25वीं मंत्रिपरिषद की बैठक 27 नवंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक से पहले 25 एवं 26 नवंबर को आईओआरए के वरिष्ठ अधिकारियों की समिति (सीएसओ) की 29वीं बैठक आयोजित की जा रही है। इसमें संगठन के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करने और सदस्य देशों के बीच समन्वय से जुड़े मुद्दों पर



विचार-विमर्श किया जाएगा। मालदीव की विदेश मंत्री इरुथिशम आदम बैठक में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली पहुंच चुकी हैं। इसके अलावा मलेशिया, सोमालिया, सिंगापुर, मॉरीशस, सेशेल्स, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के भी बैठक में शामिल होने का कार्यक्रम है। विदेश मंत्रालय के अनुसार मलेशिया के उप महासचिव दातो डॉ. अहमद फैसल मुहम्मद 25 नवंबर की रात दिल्ली पहुंचेंगे। सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग राज्यमंत्री अली मोहम्मद उमर, सिंगापुर के विदेश एवं राष्ट्रीय विकास राज्यमंत्री डेरिल यामिन और मॉरीशस के विदेश मामलों, क्षेत्रीय एकीकरण एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री धनंजय रामफुल 26 नवंबर को पहुंचेंगे। इसी दिन सेशेल्स के विदेश एवं प्रवासी मामलों के मंत्री बैरी फॉरे, संयुक्त अरब अमीरात के मंत्री अनवर अनलान, श्रीलंका के विदेश, विदेशी रोजगार एवं पर्यटन मंत्री एचएम विजिता हेराथ, ऑस्ट्रेलिया के हिंद महासागर मामलों के विशेष दूत टिम वाट्स और इंडोनेशिया के उप विदेश मंत्री अरिफ हवास ओएग्रोसेनो के भी नई दिल्ली पहुंचने का कार्यक्रम है।

भारत गौरव उत्सव में संघ पर चार पुस्तकों का विमोचन



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। चाणक्य वार्ता प्रकाशन समूह की दिल्ली इकाई की ओर से आयोजित 'भारत गौरव उत्सव-2026' के अंतर्गत संघ शताब्दी पुस्तक श्रृंखला के कार्यक्रम में तीन सत्रों में अलग-अलग पुस्तकों का विमोचन किया गया। तीन सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम में चार पुस्तकों का विमोचन किया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने परिचर्चा की। कार्यक्रम में प्रसिद्ध नृत्यांगना शुभदा वराडकर एवं उनके सहयोगियों ने 'केशव कल्प' की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का शुभारंभ राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका वी. शांता कुमारी एवं अन्य अतिथियों द्वारा प्रदर्शनी के अवलोकन के साथ हुआ। इसके बाद चाणक्य वार्ता के संपादक डॉ. अमित जैन ने स्वागत भाषण दिया और मंचासीन अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर मृत्युंजय कुमार झा की पुस्तक 'स्वतंत्रता संग्राम और डॉ. हेडगेवार' तथा डॉ. अमित जैन की पुस्तक 'बहुआयामी संघ' का विमोचन किया गया। विभिन्न समुदायों से आए लोगों ने शांता कुमारी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि संत ईश्वर फाउंडेशन के अध्यक्ष कपिल खन्ना ने कहा कि संघ के सौ वर्षों का इतिहास केवल समय की यात्रा नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या और बलिदान की गौरवगाथा है। आज आवश्यकता है कि व्यक्ति और समाज अपने अस्तित्व से आगे बढ़कर राष्ट्र के अस्तित्व के लिए कार्य करें। भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने नारी को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एसके आर्य ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और आर्य समाज की विचारधारा में समानता है।

आईसीसीआर के छात्र आगंतुक कार्यक्रम में भारत, थाईलैंड और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत करने पर जोर

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने भारत और अन्य देशों के बीच सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संबंधों को मजबूत बनाने के प्रयासों के तहत थाईलैंड और मंगोलिया के छात्रों एवं अतिथियों के लिए छात्र आगंतुक कार्यक्रम आयोजित किया। नई दिल्ली स्थित आईसीसीआर के आजाद भवन ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी युवाओं को भारत की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत, परंपराओं और आधुनिक विकास से परिचित कराना था आईसीसीआर की महानिदेशक नंदिनी सिंगला ने इस अवसर पर कहा कि भारत का मानना है कि सांस्कृतिक संबंधों की शुरुआत लोगों के आपसी जुड़ाव से होती है। जब दूसरे देशों के युवा भारत आते हैं, यहां की संस्कृति और विविधता को समझते हैं तथा भारतीय लोगों से मिलते हैं तो वे अपने देश लौटकर भारत के मित्र और सांस्कृतिक दूत बनते हैं। ऐसे कार्यक्रम देशों के बीच लंबे समय तक कायम रहने वाले मित्रता के संबंध विकसित करने में मदद करते हैं। परिषद के अपर महानिदेशक डॉ. राजेश रंजन ने कहा कि युवा छात्र अलग-अलग देशों और संस्कृतियों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। परिषद का प्रयास है कि विदेशी छात्र भारत की ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, लोकतांत्रिक मूल्यों और आधुनिक विकास को करीब से समझें। यहां बनने वाले मित्रता के संबंध भविष्य में भारत और उनके देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करेंगे कार्यक्रम के दौरान थाईलैंड और मंगोलिया से आए छात्रों एवं अतिथियों को भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं, ऐतिहासिक विरासत और सामाजिक जीवन को समझने का अवसर मिला।

संक्षिप्त डायरी

निपुण मूल्यांकन के लिए डीएलएड प्रशिक्षुओं को देंगे ट्रेनिंग

अनप्लग इंडिया

नोएडा। जिले के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों का निपुण मूल्यांकन करने वाले डीएलएड के प्रशिक्षुओं को पहले इसके लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। 25 नवंबर से 15 दिसंबर तक यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें डीएलएड के प्रशिक्षुओं को यह समझाया जाएगा कि उन्हें हर छात्र और विद्यालय का किस तरह मूल्यांकन करना है। बीएसए और डायट प्राचार्य को मिले निर्देश में कहा गया है कि स्कूलों में छात्रों का निपुण मूल्यांकन 21 से 30 दिसंबर व 20 से 30 जनवरी 2027 तक किया जाएगा।

नियम तोड़ने पर 12 गाड़ियां जब्त

अनप्लग इंडिया

नोएडा। यातायात पुलिस ने मंगलवार को जिले में जांच अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने मिले 7033 वाहनों के ई-चालान गए। इसके अलावा 12 गाड़ियां जब्त की गईं। हेलमेट न लगाने पर सर्वाधिक 2454 चालान किए गए। विशेष अभियान में नो पार्किंग के कारण 715, बिना सीट बेल्ट 183, लालबत्ती के उल्लंघन पर 260, बिना डीएल 147, तेज गति में गाड़ी चलाने के कारण 396 और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने की वजह से 61 गाड़ियों के चालान किए गए।

नकद में सिर्फ 25 हजार रुपये का बिजली बिल भर सकेंगे

अनप्लग इंडिया

नोएडा। विद्युत निगम के बिलिंग काउटरों पर अब 25 हजार रुपये तक का बिल ही नकद में जमा हो सकेगा। विद्युत निगम ने यह नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब तक उपभोक्ता दो लाख रुपये तक बिल नकद में जमा कर सकते थे। जिले में 60 प्रतिशत उपभोक्ता नकद में बिल जमा करते हैं। इसमें 35 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं का मासिक बिल औसतन 25 हजार रुपये से ज्यादा का आता है। विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार अगर किसी उपभोक्ता का बिजली का बिल 40 हजार रुपये आया तो वह बिलिंग काउंटर पर केवल 25 हजार रुपये ही नकद में जमा कर सकेगा। शेष 15 हजार रुपये ऑनलाइन जमा करने पड़ेंगे। ऐसे में उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ जाएगी।

कंपनी से घर जा रहे युवक से मोबाइल फोन छीना

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने कंपनी से घर जा रहे एक युवक से मोबाइल फोन छीन लिया। पुलिस ने केस दर्जकर जांच शुरू कर दी है। वाजिदपुर गांव स्थित रॉयल स्टोन पीजी में रहने वाले पलाश चौधरी ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-65 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। वह रोजाना कंपनी जाते हैं। छह नवंबर की शाम वह ऑफिस से घर जा रहे थे। जब वह सेक्टर-63 के डी ब्लॉक में पहुंचे तो उनके मोबाइल पर किसी परिचित की कॉल आ गई। वह पैदल चलते हुए उनसे बात करने लगे, तभी पीछे से बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और उनमें से पीछे बैठे एक बदमाश ने मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने शोर मचाते हुए पीछा किया, लेकिन बदमाश भागने में सफल रहे। उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

मावी को चुनाव समिति की जिम्मेदारी सौंपी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर डेल्टा-2 में आगामी आरडब्ल्यूए चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंगलवार को आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी की एक बैठक अध्यक्ष बॉबी भाटी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी चुनाव की प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से राज सिंह मावी को चुनाव समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही निर्णय लिया गया कि आगामी चुनाव से संबंधित कार्यक्रम और चुनाव की सभी तिथियों की घोषणा चुनाव समिति के अध्यक्ष राज सिंह मावी द्वारा की जाएगी। आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी ने सेक्टरवासियों से चुनाव प्रक्रिया को सुचारू व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करने की अपील की है।

कबड्डी प्रतियोगिता के लिए तीन खिलाड़ी चयनित

अनप्लग इंडिया

नोएडा। जिला स्तरीय सीनियर पुरुष वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता के लिए ट्रायल का आयोजन किया गया। मंगलवार को मलकपुर खेल स्टेडियम में प्रदर्शन के आधार पर तीन खिलाड़ियों का चयन मंडल स्तरीय ट्रायल के लिए किया गया। प्रभारी जिला खेल अधिकारी डॉ. परवेज अली ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी 25 नवंबर को होने वाले मंडल स्तरीय चयन ट्रायल में भाग लेंगे। चयनित खिलाड़ियों में प्रवेश कुमार, हर्षित भारद्वाज और अक्षित तोमर शामिल हैं। मंडल स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रदेश स्तर पर होने वाली आगामी प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलेगा।

कमरे से युवक का लैपटॉप-मोबाइल फोन चोरी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। फेज-3 थाना क्षेत्र स्थित एक अपार्टमेंट के कमरे से युवक का मोबाइल फोन और लैपटॉप चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने घटना के करीब एक माह बाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता कृष्णकांत ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-66 स्थित मामूरा गांव की गली नंबर-7 में रॉयल अपार्टमेंट में किराये पर रहते हैं। 25 अक्तूबर की सुबह करीब सात बजे उनकी नींद खुली थी। उस समय कमरे में मोबाइल और लैपटॉप रखे थे। उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला। कुछ देर बाद वह दोबारा सो गए। इस बार करीब नौ बजे जब वह सोकर उठे तो कमरे में मोबाइल फोन और लैपटॉप नहीं था। शिकायतकर्ता का कहना है कि अज्ञात व्यक्ति उनके कमरे में घुसा और चोरी करके फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। अपार्टमेंट और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से चोर को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सनातनी संस्कारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया

अनप्लग इंडिया

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के वनवासी रक्षा परिवार फाउंडेशन के विवेकानंद प्रतिभा विकास केंद्र साकीपुर में मंगलवार को राष्ट्र रक्षा यज्ञ का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने सनातनी संस्कारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम केंद्र संरक्षक लेखपाल भाटी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। केंद्र संचालिका भारती ने संस्कार पक्ष संपन्न करवाते हुए बालकों और प्रतिभागियों को ब्रह्मनाद, गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, पुरुषार्थ जागरण मंत्र, त्रिदेव नवग्रह स्तुति मंत्र, भारत वंदन मंत्र, सरस्वती मंत्र, प्राणायाम और आसन करवाए। वहीं, पूर्वी संभाग प्रमुख भारत ने सनातनी संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्र रक्षा यज्ञ में दुली चंद नागर, शिव नरेश पांडे, राजेंद्र सोनी, नरवीर बिष्ट, प्रो. विवेक कुमार, डॉ. नीरज कौशिक, राज कुमार चौरसिया सहित 100 से अधिक अभिभावक, समिति सदस्य तथा बच्चों की उपस्थिति रही।

वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज महासंघ ने भी कांग्रेस नेता निखिल सिंघल को दिया समर्थन, सौंपा पत्र

अनप्लग इंडिया



नोएडा। कांग्रेस नेता एवं नोएडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल को अब वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज महासंघ का भी समर्थन मिला है। ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने निखिल सिंघल को अपना समर्थन देने की घोषणा करते हुए उन्हें औपचारिक रूप से समर्थन पत्र भी सौंपा है। कांग्रेस नेता एवं नोएडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल को अब वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज महासंघ का भी समर्थन मिला है। ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने निखिल सिंघल को अपना समर्थन देने की घोषणा करते हुए उन्हें औपचारिक रूप से समर्थन पत्र भी सौंपा है। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने कहा कि निखिल सिंघल लंबे समय से नोएडा के आम नागरिकों, फ्लैट खरीदारों और सोसायटियों से जुड़े मुद्दों को उठाते रहे हैं। उनकी सक्रियता और जनसमस्याओं के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए हमने उन्हें अपना समर्थन देने का निर्णय लिया है। नोएडा के विकास, जनहित और नागरिकों के अधिकारों के लिए काम करने वाले युवाओं को आगे आने का अवसर मिलना चाहिए। गौरतलब है कि इससे पहले अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासंगठन के अध्यक्ष विनय अग्रवाल के नेतृत्व में वैश्य समाज के प्रतिनिधियों ने भी निखिल सिंघल के समर्थन में अपनी बात रखी थी और कांग्रेस नेतृत्व से उन्हें नोएडा विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाए जाने की मांग की थी। अब ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा द्वारा समर्थन पत्र सौंपे जाने के बाद निखिल सिंघल को लेकर सामाजिक और राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। निखिल सिंघल पिछले कई वर्षों से नोएडा में फ्लैट रजिस्ट्री, बिल्डर समस्याओं, हाईराइज निवासियों के अधिकारों, मेट्रो विस्तार और बुनियादी सुविधाओं के मुद्दों को उठाते रहे हैं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्होंने गांवों, सेक्टरों और हाईराइज सोसायटियों में जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया है। वैश्य समाज के बाद ब्राह्मण समाज का समर्थन और औपचारिक समर्थन पत्र, 2027 के नोएडा विधानसभा चुनाव से पहले निखिल सिंघल को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज।

बिना परमिट दौड़ते 225 यात्री वाहनों पर कार्रवाई



अनप्लग इंडिया

नोएडा। जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे और नियमों की अवहेलना कर रहे यात्री वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। पिछले छह महीनों के दौरान परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों द्वारा चलाए गए विशेष जांच अभियानों में बिना वैध परमिट के सड़कों पर दौड़ रहे 225 यात्री वाहनों को पकड़ा गया है। इसके साथ ही, परमिट की शर्तों का उल्लंघन करने वाले 507 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की गई है। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ.उदित नारायण पांडे ने कहा कि जिले के प्रमुख मार्गों, एक्सप्रेसवे और बस डिपो के आसपास लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान कई यात्री वाहन बिना परमिट के सवारियां ढोते हुए पाए गए। इसके अलावा, बड़ी संख्या में ऐसे वाहन भी पकड़े गए जिनके पास परमिट तो था, लेकिन वे निर्धारित रूट, क्षमता या अन्य परमिट शर्तों का उल्लंघन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल 2026 से 31 अक्तूबर 2026 तक चलाए गए जांच अभियान में 732 सवारी वाहनों के चालान किए गए हैं। इनमें से कुल बंद वाहनों की संख्या 525 है।

वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निगम ने शुरू किया विशेष अभियान

अनप्लग इंडिया

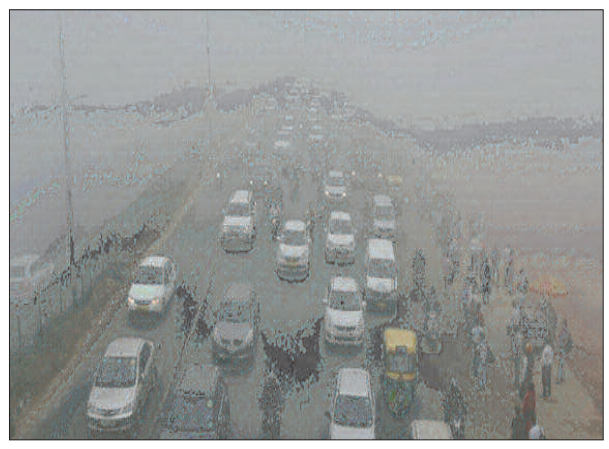

गुरुग्राम। शहर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निगम ने सड़कों की धुलाई के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। निगम की टीमें प्रमुख मार्गों, व्यस्त चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर सफाई व प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में एंटी-स्मॉग गन का संचालन, बस स्टॉप की मशीनों से धुलाई और सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ चालान कार्रवाई की जा रही है। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और हवा में मौजूद धूल के कणों को कम करने के उद्देश्य से नगर निगम की ओर से हीरो होंडा चौक, श्याम बाबा चौक, उमंग भारद्वाज चौक और मेदांता रोड सहित अन्य क्षेत्रों में एंटी-स्मॉग गन लगातार चलाई जा रही हैं। इन मशीनों के संचालन से वातावरण में धूल के कणों को नियंत्रित करने और वायु गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों को गति मिल रही है। बस स्टॉप व फुटपाथों की मशीनों से धुलाई, धूम्रपान पर चालान स्थलों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए निगम की टीम द्वारा बस स्टॉप और फुटपाथों की विशेष सफाई व मशीनों से धुलाई की जा रही है, ताकि बसों का इंतजार करने वाले यात्रियों को साफ-सुथरा माहौल मिल सके। इसके साथ ही निगम आयुक्त डॉ. पंकज के निदेर्शानुसार नो-स्मोकिंग जोन के नियमों का उल्लंघन कर सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने वालों के खिलाफ भी प्रवर्तन अभियान के तहत चालान कार्रवाई की जा रही है। इसका उद्देश्य बच्चों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी को तंबाकू के धुएं के दुष्प्रभावों से बचाना है। नागरिकों से स्वच्छता व प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग की अपील निगम आयुक्त डॉ. पंकज ने शहरवासियों से अपील की है कि वह गुरुग्राम को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग दें। उन्होंने नागरिकों से खुले में कचरा न जलाने, सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान न करने, कूड़ा निर्धारित स्थानों पर डालने और स्वच्छता नियमों का पालन करने का आग्रह किया है, ताकि निगम के प्रयासों को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

राज्य रोल बॉल चैंपियनशिप के लिए टीम घोषित

अनप्लग इंडिया



नोएडा। फिरोजाबाद में 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाली 17वीं मिनी और 18वीं सीनियर उत्तर प्रदेश स्टेट रोल बॉल चैंपियनशिप के लिए जिले की टीम घोषित की गई है। यह प्रतियोगिता रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश और रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन फिरोजाबाद की संयुक्त देखरेख में हो रही है। इसमें विभिन्न जिलों के खिलाड़ी भाग लेंगे। जिला रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहित दलगीर और महासचिव रजनीकांत ठाकुर ने बताया कि गौतमबुद्धनगर की बालक व बालिका वर्ग की टीम प्रतियोगिता में भाग लेगी। इन टीमों का अभ्यास शिविर 26 से 28 नवंबर तक समसारा द वर्ल्ड अकादमी में लगाया जाएगा। अंडर-11 बालक वर्ग में स्नितिक प्रताप सिंह, रूद्र रौथाण, दिव्यांश पांडेय, सात्विक आर्य, डिवीत कपूर, आदित्य त्यागी, रोहिताक्ष सिंघल, रुद्रांश राज, अक्षज पराशर, धुर्वीत गोयल, परीक्षित ठाकुर व युवराज पांडेय का चयन किया गया है। वहीं, अंडर-11 बालिका वर्ग में अमायरा बंसल, अनैशा चौहान, स्वस्तिक मित्तल, अद्रिका गुप्ता, सोनम चौधरी, प्राणवी गोयल, अनया गुप्ता, भूमि चौहान, अम्बिका मनकोटिया, सानवी भाटी, अवांशी कौशिक ने जगह बनाई है। सीनियर बांलक वर्ग में मिलिंद शर्मा, रोहन चौहान, आशीष, ऋषभ सारस्वत, श्रेयस सिंह, विक्की गौतम, ध्रुव गोयल, अनुज रावल, शिवम् वर्मा, यश नगर और सीनियर बालिका वर्ग में विधि बंसल, डिजा नरूला, दक्षा देवल, तनिष्का तंवर, आरोही चिरनिया शामिल हैं। बता दें कि पिछले वर्ष अंडर-11 बालक वर्ग में जिले की टीम पहले स्थान पर और बालिका वर्ग में दूसरे स्थान पर रही थी। वहीं, सीनियर बालक वर्ग की टीम तीसरे स्थान पर थी।

घर में पूजा करने के लिए अगरबत्ती जलाते समय लगी थी आग

अनप्लग इंडिया



नोएडा। जेवर के दयानतपुर गांव में सोमवार की शाम वीरपाल के घर में आग लगने का कारण पूजा के लिए अगरबत्ती जलाना बताया गया है। घर में रखे सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था। इसी बीच आग तेजी से पूरे घर में फैल गई। तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। उस समय पिता-पुत्र एक कमरे में थे, जिससे दोनों की जलकर मौत हो गई। हालांकि, फॉरेंसिक टीम घर में आग लगने के सही कारण का पता लग रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्रामीणों ने बताया कि घर में रखे सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था। सोमवार की शाम घर में पूजा करने के लिए वीरपाल ने अगरबत्ती जलाई थी। कमरे में पहले से गैस फैली हुई थी। इस बीच तेजी के साथ आग फैली और सिलेंडर तक पहुंच गई। पूरे घर को आग ने चपेट में ले लिया, जिस कमरे में पूजा के लिए मंदिर बना है, वहां पहले से वीरपाल का बेटा अभिषेक सोया हुआ था। कमरे में मौजूद वीरपाल और उनके बेटे अभिषेक की आग में झुलस कर मौत हो गई। दोनों को कमरे से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। कमरे से कुछ दूर अभिषेक की पत्नी काजल लड्डू बना रही थी, जबकि मासूम बच्चा भी काजल के नजदीक बैठा था। वे दोनों भी आग में झुलस गए। अभिषेक की पत्नी काजल और दो साल के मासूम आदित्य का अस्पताल में इलाज चल रहा है। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी संतोष कुमार ने बताया ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला है कि घर में अगरबत्ती जलाते समय आग लगी थी। हालांकि, फॉरेंसिक टीम इसकी जांच कर रही है। विशेषज्ञों की टीम ने घर से कुछ साक्ष्य जुटाए हैं, ताकि आग लगने का सही कारण पता चल पाएगा। घर में आग लगने के बाद पूरे घर की बिजली गुल हो गई, जिससे घर में अंधेरा छा गया। ग्रामीणों ने मोबाइल की टॉर्च जलाकर उजाला किया और मोटर चलाकर पानी की बौछार कर आग बुझाई। घर का सामान जलकर राख हो गया। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। इसके बाद अंदर कमरे से पिता-पुत्र को बाहर निकाला गया। हालांकि, ग्रामीणों ने घर में मौजूद एक महिला और उसके मासूम को किसी तरह बाहर निकाल कर उनकी जान बचाई।

कार्तिक मास समापन पर मंदिरों में हुए धार्मिक आयोजन

अनप्लग इंडिया



नोएडा। कार्तिक पूर्णिमा पर मंगलवार को शहर के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का के साथ धार्मिक आयोजन हुए। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना, दीपदान और हवन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में भजन-कीर्तन के साथ भंडारे और प्रसाद वितरण के आयोजन हुए। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर, सेक्टर-121 स्थित जगन्नाथ मंदिर, सेक्टर-62 स्थित विनायक मंदिर और सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर समेत शहर के विभिन्न मंदिरों में दिनभर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में एक महीने से चल रहे दीपदान महोत्सव का मंगलवार को समापन हुआ। इस मौके पर मंदिर परिसर में बनाए गए दामोदर महल में महोत्सव के अंतिम दिन भी दीपों का दान किया गया। मंदिर की जनसंपर्क अधिकारी प्रतिमा ताह ने बताया कि कार्तिक मास के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने दीपदान कर भगवान के दर्शन किए। परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन, पाठ और पूजा-अर्चना हुई। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मंदिर के पदाधिकारी और पुजारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। सेक्टर-121 स्थित जगन्नाथ मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा की परंपरा के अनुसार कुंड में नाव तैराई गईं। मंदिर परिसर के पास बने 15 फीट चौड़े और 20 फीट लंबे कुंड में श्रद्धालुओं ने केले के पत्तों, कागज और लकड़ी की नाव बनाकर तैराई। इसके अलावा परिसर में पूजा-पाठ और श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जहा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद बहल ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा पर हर वर्ष यह परंपरा निभाई जाती है। वहीं, सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा पर लक्ष्मी पूजा और हवन किया गया। साथ ही परिसर में दिनभर भजन-कीर्तन हुए। मंदिर के सेवादार हरिंद्र दुबे ने बताया कि इस उपलक्ष्य में परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, और आसपास के लोगों को भी प्रसाद वितरित किया गया। साथ ही सेक्टर-62 स्थित विनायक मंदिर में भी दीपोत्सव मनाया गया, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर पर्व दिपोत्सव पर्व मनाया। मंदिर के सेवादार एस. वैंकटेश ने बताया कि इस उपलक्ष्य में परिसर को 1500 से अधिक दीपों से सजाया गया। इसके अलावा शहर के अन्य मंदिरों में भी पूजा-अर्चना और दीपदान के कार्यक्रम हुए। अरावली अपार्टमेंट में देव दीपावली सेक्टर-34 स्थित अरावली अपार्टमेंट में भी कार्तिक पूर्णिमा पर देव दीपावली मनाई गई। जहां सोसाइटी के संट्रल पार्क में बने कुंड में चार धाम समेत देश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर पवित्र चल मिलाया गया। इसमें गंगासागर, केदारनाथ, हरिद्वार, प्रयागराज, काशी और नर्मदा नदी का जल भी शामिल किया गया। मंगलवार को श्रद्धालुओं ने कुंड में पूजा-अर्चना और आरती के बाद दीपदान किया। शंख ध्वनि के बीच पूरा परिसर दीपों से जगमगा उठा। इस दौरान सोसाइटी के अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, भीम सिंह राउत और संजय आचार्य समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

संपादकीय

कार्तिक पूर्णिमा का पावन संदेश सत्पुरुषों के आदर्शों से प्रकाशित हो मानव जीवन

कार्तिक पूर्णिमा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का अत्यंत पवित्र एवं महिमामय पर्व है। यह दिन केवल चंद्रमा की पूर्ण आभा और दीपों की जगमगाहट का प्रतीक नहीं है, बल्कि आत्मिक जागरण, धर्म, त्याग, तपस्या, करुणा और मानवता के कल्याण का संदेश भी देता है। कार्तिक पूर्णिमा के साथ चातुर्मास की समाप्ति भी जुड़ी हुई है। चार महीनों तक चले धर्म, साधना, संयम और आत्मचिंतन के इस विशेष काल का समापन हमें अपने जीवन का मूल्यांकन करने और आगे भी सदुणों को अपनाने की प्रेरणा देता है। इस पावन अवसर पर उन महापुरुषों का स्मरण विशेष महत्व रखता है, जिन्होंने अपने विचारों और आचरण से समाज को नई दिशा प्रदान की।



कार्तिक पूर्णिमा का संबंध अनेक महान आत्माओं के जन्म से भी जुड़ा हुआ है। धर्म, दर्शन, साहित्य, सामाजिक सुधार और मानव कल्याण के क्षेत्र में इन विभूतियों का योगदान भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। इनमें लौंकाशाह, आचार्य हेमचंद्र, श्रीमद् राजचंद्र और गुरु नानकदेव जैसे महान व्यक्तित्व प्रमुख हैं। इन सभी के जीवन की विशेषता यह रही कि उन्होंने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने आचरण से उन सिद्धांतों को जीकर दिखाया।

लौंकाशाह का नाम जैन धर्म के इतिहास में एक निर्भीक धर्म सुधारक के रूप में आदर से लिया जाता है। जिस समय धार्मिक क्षेत्र में कर्मकांड, आडंबर और विकृत परंपराओं का प्रभाव बढ़ रहा था, उस समय उन्होंने सत्य और शास्त्रसम्मत आचरण का पक्ष लेकर समाज को जागृत करने का प्रयास किया। वे गृहस्थ श्रावक थे, लेकिन उनका आत्मबल, अध्ययन और धर्म के प्रति समर्पण असाधारण था। उन्होंने जैन आगमों का गहन अध्ययन किया और धर्म के मूल स्वरूप को समझने पर बल दिया। उनका मानना था कि धर्म का वास्तविक आधार आत्मशुद्धि, संयम और सदाचार है, न कि बाहरी प्रदर्शन। उन्हें अपने विचारों के कारण विरोध का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अपने सिद्धांतों से पीछे नहीं हटे। उनके प्रयासों से अनेक लोगों ने संयम का मार्ग अपनाया और स्थानकवासी परंपरा को नई दिशा मिली। उनका जीवन सिखाता है कि सत्य के मार्ग पर चलने के लिए साहस और दृढ़ संकल्प आवश्यक हैं।

इसी पावन तिथि पर महान जैन आचार्य हेमचंद्र का जन्म भी हुआ था। वे केवल धर्मगुरु ही नहीं, बल्कि महान विद्वान, साहित्यकार, व्याकरणाचार्य और समाज सुधारक थे। साहित्य और ज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान अत्यंत व्यापक रहा। उन्होंने व्याकरण, न्याय, कोश और जैन दर्शन से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की। तत्कालीन शासक सिद्धराज जयसिंह और कुमारपाल भी उनके ज्ञान तथा व्यक्तित्व से प्रभावित थे। आचार्य हेमचंद्र ने राजा को यह समझाया कि किसी शासक की प्रतिष्ठा उसके वैभव से नहीं, बल्कि प्रजा के सुख और कल्याण से होती है। एक प्रसंग में उन्होंने कुमारपाल को यह अहसास कराया कि जब राज्य की गरीब और असहाय विधवाएं अभाव में जीवन बिताने को विवश हों, तब केवल राजसी ठाट-बाट पर गर्व करना उचित नहीं है। यह प्रसंग आज भी शासन और समाज दोनों के लिए प्रेरणादायक है। सच्चा धर्म वही है, जिसमें दूसरों के दुख को समझने और उन्हें दूर करने की भावना हो।

राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव हैं संस्कारवान नागरिक और जागरूक युवा पीढ़ी

-कांतिलाल मांडोत

किसी भी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी सीमाओं, विशाल भूभाग, आर्थिक संपन्नता और सैन्य शक्ति से नहीं होती, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान वहां के नागरिकों के चरित्र, संस्कार, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता से बनती है। देश का संविधान शासन व्यवस्था को दिशा देता है, लेकिन राष्ट्र की आत्मा उसके नागरिकों में बसती है। संविधान, लोकतंत्र और प्रशासन तभी मजबूत बन सकते हैं, जब देशवासियों में राष्ट्र के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारी का भाव हो। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार या राजनीतिक दलों का दायित्व नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की समान भागीदारी आवश्यक है। जिस देश का नागरिक अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझता है, उस देश की प्रगति को कोई शक्ति रोक नहीं सकती।

भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए लंबा संघर्ष किया। असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को आंदोलन की ताकत बनाया, वहीं सरदार वल्लभभाई पटेल ने राष्ट्रीय एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए देशी रियासतों का एकीकरण किया। सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और अनेक क्रांतिकारियों का त्याग आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने स्वतंत्रता को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि देश की जनता को सम्मानजनक जीवन देने का संकल्प माना था। आज आवश्यकता है कि हम स्वतंत्रता संग्राम के उन आदर्शों को केवल समारोहों और भाषणों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने आचरण में उतारें।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि सत्ता का परिवर्तन जनता के मत से शांतिपूर्ण तरीके से होता है। चुनाव में हार और जीत लोकतांत्रिक व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन जब राजनीतिक स्वार्थ राष्ट्रीय हित से बड़ा हो जाता है, तब लोकतांत्रिक मर्यादाओं को नुकसान पहुंचता है। दल बदल, पद और धन का लालच, समाज को जाति और धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश तथा राजनीतिक विरोध को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सत्ता किसी भी दल के हाथ में हो, उसकी प्राथमिकता राष्ट्रहित और जनकल्याण होना चाहिए। राजनीतिक नेतृत्व का मूल्यांकन केवल चुनावी जीत से नहीं, बल्कि उसके कार्यों, ईमानदारी और जनसेवा की भावना से होना चाहिए।



राष्ट्र की मजबूती का वास्तविक आधार उसकी युवा पीढ़ी है। आज भारत के पास बड़ी युवा आबादी, तकनीकी क्षमता और प्रतिभाशाली मानव संसाधन है। यह देश के लिए बड़ी संभावना है, लेकिन इस शक्ति को सही दिशा देना भी उतना ही जरूरी है। युवाओं को केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने वाला, समाज की समस्याओं को समझने वाला और देश के विकास में योगदान देने वाला नागरिक बनना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा ऐसी हो, जो व्यक्ति में विवेक, अनुशासन, संवेदनशीलता, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करे।

विद्यालयों और परिवारों की इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ व्यवहारिक जीवन के संस्कार भी मिलने चाहिए। उन्हें बड़ों का सम्मान, महिलाओं के प्रति आदर, जरूरतमंदों की सहायता, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और कानून के प्रति सम्मान सिखाया जाना चाहिए। आज सोशल मीडिया और बदलती जीवनशैली के बीच बच्चों का मानसिक संसार तेजी से प्रभावित हो रहा है। ऐसे समय में अभिभावकों और शिक्षकों को केवल उपदेश देने के बजाय अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। बच्चा वही अधिक सीखता है, जो वह अपने आसपास होते हुए देखता है। इसलिए घर और विद्यालय दोनों में सकारात्मक वातावरण बनाना आवश्यक है।

भारत की प्राचीन शिक्षा परंपरा में ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण को विशेष महत्व दिया जाता था। तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा केंद्र विश्वभर में ज्ञान के लिए प्रसिद्ध थे। वहां शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्वान बनाना नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदार व्यक्ति तैयार करना भी था। आज आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यावसायिक शिक्षा के साथ नैतिक शिक्षा का संतुलन स्थापित करना समय की मांग है। विद्यार्थियों में अपनी मातृभाषा, संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान हो, लेकिन साथ ही उन्हें दूसरी भाषाओं, संस्कृतियों और विचारों के प्रति भी उदार दृष्टिकोण रखना चाहिए। विविधता भारत की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

राष्ट्र निर्माण में सेवा भावना का भी विशेष महत्व है। सड़क पर पड़ा कचरा हटाना, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना, किसी जरूरतमंद की सहायता करना, गरीब बच्चों की शिक्षा में सहयोग देना और पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना भी राष्ट्रसेवा के ही रूप हैं। देशभक्ति केवल सीमा पर तैनात सैनिकों के साहस तक सीमित नहीं है। किसान का अन्न उत्पादन, शिक्षक का ईमानदार अध्यापन, चिकित्सक की सेवा, वैज्ञानिक का अनुसंधान और श्रमिक का परिश्रम भी देश को आगे बढ़ाता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करे तो राष्ट्र की प्रगति स्वतः गति पकड़ सकती है।

सामाजिक जीवन में बढ़ते दिखावे और अनावश्यक खर्चों पर भी विचार करना जरूरी है। विवाह, धार्मिक आयोजन और पारिवारिक समारोहों में प्रतिष्ठा दिखाने की होड़ कई परिवारों को आर्थिक बोझ में डाल देती है। परंपराओं का सम्मान होना चाहिए, लेकिन परंपरा के नाम पर अपव्यय और कर्ज को बढ़ावा देना उचित नहीं है। सामाजिक आयोजनों को सादगीपूर्ण बनाकर बची हुई राशि शिक्षा, चिकित्सा, गरीबों की सहायता और समाज के विकास में लगाई जा सकती है। संस्कार वही सार्थक हैं, जो जीवन को बेहतर बनाएं और समाज को जोड़ने का काम करें।

आज भारत तेजी से बदलती दुनिया में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। आर्थिक विकास, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल तकनीक, आधारभूत सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ता प्रभाव देश की नई संभावनाओं को दर्शाते हैं। लेकिन विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना भी जरूरी है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सामाजिक भेदभाव जैसी चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयास से ही संभव है। हमें धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के संकीर्ण दायरों से ऊपर उठकर भारतीय होने के गौरव को प्राथमिकता देनी होगी।

राष्ट्र निर्माण किसी एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाली सतत प्रक्रिया है। इसके लिए सरकार की नीतियों के साथ नागरिकों का चरित्र, युवाओं का संकल्प और समाज की एकजुटता आवश्यक है। बुजुर्गों के अनुभव, युवाओं की ऊर्जा और बच्चों के संस्कार मिलकर विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार कर सकते हैं। हमें ऐसा समाज बनाना है, जहां अधिकारों के साथ कर्तव्य, स्वतंत्रता के साथ अनुशासन और प्रगति के साथ मानवीय संवेदनाएं भी जीवित रहें। जब प्रत्येक नागरिक राष्ट्रहित को निजी स्वार्थ से ऊपर रखेगा, तभी भारत का गौरव और सामर्थ्य नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही सच्चा राष्ट्र निर्माण और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

भारतीय कृषि का बदलता स्वरूप-किसान की चुनौतियां, सरकारी नीतियां और आत्मनिर्भरता का भविष्य

-सौरभ वार्ष्णेय

भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है, लेकिन भारतीय कृषि की वास्तविक स्थिति आज अनेक चुनौतियों और बदलावों के दौर से गुजर रही है। खेती केवल देश की खाद्य जरूरतों को पूरा करने का माध्यम नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आजीविका, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ और देश की सामाजिक संरचना का महत्वपूर्ण आधार है। समय के साथ कृषि का स्वरूप बदला है। पारंपरिक खेती की जगह आधुनिक तकनीक, मशीनों, उन्नत बीजों, डिजिटल सेवाओं और वैज्ञानिक पद्धतियों ने लेनी शुरू कर दी है। इसके बावजूद भारतीय किसान आज भी आर्थिक असुरक्षा, मौसम की अनिश्चितता, महंगी कृषि लागत, बाजार की अस्थिरता और कर्ज जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या बदलती कृषि व्यवस्था किसान को आत्मनिर्भर बना पाएगी और क्या भारत का अन्नदाता अपनी मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त कर सकेगा?

भारतीय कृषि में पिछले कुछ दशकों के दौरान व्यापक परिवर्तन देखने को मिले हैं। हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्नत बीजों, रासायनिक उर्वरकों, सिंचाई सुविधाओं और कृषि मशीनरी के उपयोग से उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई। आज ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, ड्रिप सिंचाई, स्प्रिंकलर और आधुनिक कृषि उपकरण खेती का हिस्सा बन रहे हैं। कई क्षेत्रों में किसान मोबाइल फोन के माध्यम से मौसम की जानकारी, बाजार भाव और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। कृषि में ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नई तकनीकों का प्रवेश भी भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता है।

लेकिन तकनीकी विकास की यह तस्वीर सभी किसानों के लिए समान नहीं है। देश में बड़ी संख्या छोटे और सीमांत किसानों की है, जिनके पास सीमित कृषि भूमि और निवेश की क्षमता है। महंगे कृषि उपकरण खरीदना, आधुनिक तकनीक अपनाना और वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्राप्त करना उनके लिए आसान नहीं है। बड़े किसानों की तुलना में छोटे किसान संसाधनों की कमी के कारण तकनीकी बदलावों का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। इसलिए कृषि का आधुनिकीकरण तभी सार्थक होगा, जब इसका लाभ गांव के अंतिम किसान तक पहुंचे।

भारतीय किसान की सबसे बड़ी समस्या खेती की बढ़ती लागत और आमदनी के बीच असंतुलन है। डीजल, बिजली, खाद, बीज, कीटनाशक और कृषि मजदूरी की लागत लगातार खेती के आर्थिक गणित को प्रभावित करती है। इसके विपरीत फसल तैयार होने के बाद किसान को कई बार बाजार में उचित मूल्य नहीं मिल पाता। बिचौलियों की भूमिका, भंडारण की कमी और मंडियों में कीमतों का उतार-चढ़ाव उसकी आर्थिक स्थिति को और कठिन बना देता है। कई बार किसान को मजबूरी में अपनी उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में उत्पादन बढ़ने के बावजूद उसकी वास्तविक आय में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाता।

न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का मुद्दा भी कृषि व्यवस्था के केंद्र में है। किसानों की मांग है कि उनकी प्रमुख फसलों को लाभकारी मूल्य मिले और खरीद व्यवस्था का विस्तार हो। हालांकि सरकारी खरीद की पहुंच और प्रभाव अलग-अलग राज्यों तथा फसलों में अलग-अलग है। इसलिए केवल समर्थन मूल्य घोषित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खरीद केंद्रों की उपलब्धता, भुगतान की समयबद्ध व्यवस्था और बाजार तक किसानों की सीधी पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है। कृषि बाजार में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए प्रभावी नीतियों की आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन भारतीय कृषि के सामने एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। कभी अत्यधिक बारिश, कभी सूखा, कभी बेमौसम ओलावृष्टि और कभी तापमान में असामान्य वृद्धि फसलों को प्रभावित करती है। मानसून पर निर्भर किसानों के लिए मौसम की अनिश्चितता आर्थिक जोखिम बढ़ा देती है। गेहूं, धान, दलहन, तिलहन और सब्जियों की फसलें अलग-अलग मौसम संबंधी परिस्थितियों से प्रभावित होती हैं। ऐसे में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, सूखा सहनशील बीज, फसल विविधीकरण और मौसम आधारित कृषि सलाह को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

सरकार की ओर से किसानों की आर्थिक सहायता और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी पहल किसानों को आर्थिक सहायता, जोखिम सुरक्षा और कृषि संसाधनों तक पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी सुनिश्चित होगा, जब पात्र किसानों तक समय पर जानकारी पहुंचे, आवेदन प्रक्रिया सरल हो और भुगतान तथा बीमा दावों के निपटारे में अनावश्यक देरी न हो। योजनाओं की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति में आए वास्तविक बदलाव से होना चाहिए।

कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल अधिक अनाज पैदा करना नहीं है। इसका अर्थ है कि किसान उत्पादन से लेकर प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और विपणन तक अपनी आर्थिक भागीदारी बढ़ा सके। गांवों में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, कोल्ड स्टोरेज, गोदामों और कृषि आधारित लघु उद्योगों का विकास किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा कर सकता है। यदि किसान अपनी उपज का प्रसंस्करण करके बाजार तक पहुंचाए तो उसे केवल कच्चे उत्पाद बेचने पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

किसान उत्पादक संगठन यानी एफपीओ इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छोटे किसान सामूहिक रूप से बीज, खाद और कृषि उपकरण खरीद सकते हैं तथा अपनी उपज को बेहतर बाजार तक पहुंचा सकते हैं। इससे उनकी सौदेबाजी की क्षमता बढ़ सकती है और लागत कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए एफपीओ को वित्तीय सहायता, प्रबंधन प्रशिक्षण, बाजार संपर्क और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराना आवश्यक है।

जैविक और प्राकृतिक खेती भी भारतीय कृषि के बदलते स्वरूप का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता मिट्टी की गुणवत्ता, जल संसाधनों और पर्यावरण पर प्रभाव डाल सकती है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, फसल चक्र, जैविक खाद और संतुलित उर्वरक उपयोग के माध्यम से खेती को अधिक टिकाऊ बनाया जा सकता है। हालांकि किसानों को यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी नई कृषि पद्धति को अपनाने से पहले उसके बाजार, उत्पादन लागत और संभावित लाभ की जानकारी उपलब्ध हो। वैज्ञानिक मार्गदर्शन और उचित विपणन व्यवस्था के बिना किसान पर नई पद्धति अपनाने का अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।

आज कृषि क्षेत्र के सामने एक और बड़ी चुनौती युवा पीढ़ी की खेती के प्रति घटती रुचि है। ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक युवा बेहतर रोजगार और आय के अवसरों की तलाश में शहरों की ओर जा रहे हैं। इसका एक कारण खेती में अनिश्चित आमदनी और सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा की कमी भी है। यदि कृषि को आधुनिक व्यवसाय के रूप में विकसित किया जाए, कृषि स्टार्टअप, एग्रीटेक, डेयरी, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन और खाद्य प्रसंस्करण को प्रोत्साहन मिले तो युवा पीढ़ी को गांवों में ही रोजगार और उद्यमिता के अवसर मिल सकते हैं। भारतीय कृषि का भविष्य किसानों की शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी प्रशिक्षण और मजबूत बाजार व्यवस्था से जुड़ा हुआ है। कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और स्थानीय प्रशासन को किसानों के साथ सीधा संवाद बढ़ाना चाहिए। नई तकनीकों का प्रदर्शन, फसल संबंधी प्रशिक्षण और बाजार की वास्तविक जानकारी गांव स्तर तक पहुंचनी चाहिए। महिला किसानों की भूमिका को भी उचित पहचान और संस्थागत सहयोग मिलना जरूरी है, क्योंकि कृषि और पशुपालन में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भारतीय कृषि का बदलता स्वरूप केवल उत्पादन बढ़ाने की कहानी नहीं होना चाहिए, बल्कि किसान के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, सम्मान और स्थिरता लाने का माध्यम बनना चाहिए। सरकार की नीतियों, वैज्ञानिक नवाचार, निजी निवेश और किसान संगठनों के सामूहिक प्रयासों से ही कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सकता है।

देश की खाद्य सुरक्षा तभी मजबूत होगी, जब खेतों में अन्न उगाने वाला किसान भी आर्थिक रूप से सुरक्षित होगा।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य गांवों और खेतों की समृद्धि से होकर गुजरता है। इसलिए कृषि नीतियों का केंद्र किसान होना चाहिए। किसान की लागत कम हो, उपज का उचित मूल्य मिले, प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा मिले और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हों, तभी आत्मनिर्भर कृषि का सपना वास्तविकता में बदल सकेगा। आखिरकार, देश की समृद्धि का रास्ता खेतों से होकर ही गुजरता है और किसान की खुशहाली के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है।

जब वैभव सूर्यवंशी के बल्ले के आगे बौने पड़ गए पुराने कीर्तिमान

महेन्द्र तिवारी

क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी कुछ ऐसी घटनाएँ घटती हैं, जो केवल खेल का परिणाम नहीं बदलतीं, बल्कि इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ जाती हैं। ऐसी ही एक अविश्वसनीय घटना 24 नवंबर 2026 को कतर की राजधानी दोहा में देखने को मिली, जब बिहार के महज पंद्रह वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने बल्ले से रनों की ऐसी वर्षा की कि विश्व क्रिकेट के स्थापित कीर्तिमान ध्वस्त हो गए। संयुक्त अरब अमीरात के विरुद्ध भारत ए की ओर से खेलते हुए वैभव ने मात्र 53 गेंदों में 204 रन बनाकर क्रिकेट जगत को आश्चर्यचकित कर दिया। यह पारी केवल रनों का पहाड़ खड़ा करने की कहानी नहीं थी, बल्कि एक किशोर प्रतिभा के अदम्य आत्मविश्वास, साहस और असाधारण क्षमता का परिचय भी थी। दोहा में आयोजित एशिया कप राइजिंग स्टार्स प्रतियोगिता के इस मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 249 रन बनाए थे। भारतीय गेंदबाजों के सामने विपक्षी टीम ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। सामान्य परिस्थितियों में इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं माना जाता, लेकिन वैभव ने मैदान पर उतरते ही मुकाबले की दिशा बदल दी। उन्होंने गेंदबाजों को संभलने का अवसर तक नहीं दिया। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ अद्भुत सहजता दिखाई दी। गेंद चाहे तेज गति से आती या घूमकर, वैभव के बल्ले से निकलकर सीमा रेखा के पार पहुँचती रही। उनकी इस पारी में सात चौके और 28 छक्के शामिल थे। इस तरह उन्होंने 53 गेंदों में 204 रन बनाकर एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया, जिसकी कल्पना करना भी कठिन था।

इस पारी की सबसे उल्लेखनीय बात उनकी शतकीय गति रही। वैभव ने केवल 28 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। इसके साथ ही उन्होंने एकदिवसीय घरेलू क्रिकेट की सूची-क श्रेणी में सबसे तेज शतक का पिछला कीर्तिमान तोड़ दिया। इससे पहले यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर मैकगर्क के नाम थी, जिन्होंने 29 गेंदों में शतक बनाया था। वैभव यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपनी गति और आक्रामकता को लगातार बनाए रखा तथा केवल 52 गेंदों में दोहरा शतक पूरा कर लिया। इस श्रेणी में इससे पहले न्यूजीलैंड के चाड बोव्स के नाम 103 गेंदों में दोहरा शतक बनाने का कीर्तिमान था। वैभव ने इस समय को लगभग आधा करते हुए नया इतिहास रच दिया। उनके बल्ले से निकले 28 छक्के भी अपने आप में असाधारण उपलब्धि हैं। इससे पहले सूची-क क्रिकेट की एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का कीर्तिमान ऑस्ट्रेलिया के डार्सी शॉर्ट के नाम था, जिन्होंने 2018 में 23 छक्के लगाए थे। वैभव ने पाँच छक्के अधिक लगाकर यह रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। उनकी बल्लेबाजी की गति का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने 40 गेंदों में 150 रन पूरे कर लिए थे। इतनी कम उम्र में इतने बड़े स्तर पर इस तरह का प्रदर्शन क्रिकेट की दुनिया में विरले ही देखने को मिलता है। वैभव की इस विस्फोटक पारी का प्रभाव केवल व्यक्तिगत कीर्तिमानों तक सीमित नहीं रहा। भारत ए ने संयुक्त अरब अमीरात के 250 रनों के लक्ष्य को केवल 14.2 ओवरों में हासिल कर लिया। टीम ने तीन विकेट खोकर 254 रन बनाए और सात विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ए ने प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में भी अपनी जगह सुनिश्चित की। वैभव की बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। भारतीय पारी के शुरुआती दस ओवरों में ही टीम का स्कोर 183 रन तक पहुँच गया था। यह भी सूची-क क्रिकेट के इतिहास में एक असाधारण उपलब्धि बनी। इस मुकाबले में वैभव का योगदान इतना प्रभावशाली था कि उन्हें स्वाभाविक रूप से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान मिला। वैभव सूर्यवंशी की सफलता की कहानी बिहार की धरती से जुड़ी है। समस्तीपुर जिले से निकलकर विश्व क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाले इस किशोर ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, प्रतिष्ठित परिवार या संसाधनों की प्रचुरता की मोहताज नहीं होती। उसे सही अवसर, निरंतर अभ्यास और उचित मार्गदर्शन मिल जाए तो वह किसी भी सीमा को पार कर सकती है। बिहार की मिट्टी ने देश को साहित्य, राजनीति, शिक्षा, कला और खेल के क्षेत्र में अनेक प्रतिभाएँ दी हैं। वैभव की यह उपलब्धि उसी परंपरा की एक नई और गौरवपूर्ण कड़ी है। इससे पहले भी वैभव अपनी बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। भारतीय प्रीमियर लीग में कम उम्र में शतक बनाकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। उनकी बल्लेबाजी में निर्भीकता दिखाई देती है। वह गेंदबाज की प्रतिष्ठा या उसके अनुभव से प्रभावित हुए बिना अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करते हैं। हालांकि इस प्रतियोगिता में नेपाल और पाकिस्तान ए के विरुद्ध उनका प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा था, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात के विरुद्ध उन्होंने जिस तरह वापसी की, वह उनकी मानसिक दृढ़ता का परिचायक है। असफलताओं के बाद स्वयं को संभालना और अगले अवसर पर बेहतर प्रदर्शन करना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी विशेषता होती है। वैभव की इस ऐतिहासिक पारी ने भारतीय क्रिकेट की बदलती तस्वीर को भी सामने रखा है। आज देश के छोटे शहरों और कस्बों से निकलने वाले युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। क्रिकेट के क्षेत्र में अवसरों का विस्तार हुआ है। प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और खेल सुविधाओं तक पहुँच बढ़ने से अनेक नई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर मिला है। वैभव इसका जीवंत उदाहरण हैं। उनकी सफलता उन हजारों बच्चों के लिए प्रेरणा बन सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद क्रिकेट में अपना भविष्य तलाश रहे हैं। लेकिन किसी भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी की सफलता केवल उसके कीर्तिमानों से नहीं आँकी जानी चाहिए। वैभव अभी किशोरावस्था में हैं। उनके सामने एक लंबा खेल जीवन है। ऐसे समय में उनके खेल को निखारने के साथ-साथ उनके मानसिक और शारीरिक विकास का ध्यान रखना भी आवश्यक है। असाधारण उपलब्धि के बाद प्रशंसा मिलना स्वाभाविक है, लेकिन अत्यधिक अपेक्षाओं का दबाव युवा प्रतिभा के विकास में बाधा भी बन सकता है। उन्हें निरंतर सीखने, गलतियों से उबरने और अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलना चाहिए। परिवार, प्रशिक्षकों, खेल संस्थाओं और क्रिकेट प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि वे उन्हें उचित संरक्षण और मार्गदर्शन दें। खेल केवल जीत और हार का माध्यम नहीं होता, वह समाज को अनुशासन, संघर्ष, धैर्य और सामूहिकता का संदेश भी देता है। वैभव सूर्यवंशी की यह पारी भी हमें यही सिखाती है कि उम्र किसी उपलब्धि की सीमा निर्धारित नहीं करती। सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस हो तो असंभव दिखाई देने वाली मंजिल भी हासिल की जा सकती है। एक छोटे से जिले से निकलकर विश्व क्रिकेट में चर्चा का विषय बनना किसी सामान्य उपलब्धि की बात नहीं है। आज जब वैभव के बल्ले से निकले 28 छक्कों और 204 रनों की चर्चा दुनिया भर में हो रही है, तब यह केवल बिहार या भारत के लिए गर्व का विषय नहीं, बल्कि भारतीय खेल प्रतिभा की नई संभावनाओं का संकेत भी है। समस्तीपुर के इस युवा खिलाड़ी ने दोहा के मैदान पर अपने प्रदर्शन से बता दिया कि प्रतिभा को पहचान और अवसर मिले तो वह इतिहास रच सकती है। निस्संदेह, यह पारी आने वाले समय में लंबे अरसे तक याद की जाएगी। बिहार का यह लाल आज विश्व क्रिकेट के आकाश में चमकता हुआ सितारा बनकर उभरा है।

हजारों वालंटियर संभालेंगे रैली की व्यवस्था, इनसो की टीम को सौंपी गई जिम्मेदारी-डॉ केसी बांगड़



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के नौवें स्थापना दिवस पर छह दिसंबर को महेंद्रगढ़ कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय जन-जन अधिकार रैली की तैयारियों को लेकर पार्टी ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है। इसी कड़ी में जेजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. के सी बांगड़, प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला, राहुल गौड़, मुकेश सेठी, सतीश बेनीवाल, धर्मपाल और सूरज बेनीवाल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने रैली स्थल पहुंचकर रैली की तैयारियों और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान नेताओं ने रैली स्थल पर टेंट व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन, सामान्य पार्किंग, वीआईपी पार्किंग, प्रवेश एवं निकास मार्ग सहित सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। प्रत्येक व्यवस्था के लिए अलग-अलग कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं, ताकि रैली में पहुंचने वाले किसी भी व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े। डॉ. के सी बांगड़ ने कहा कि जन-जन अधिकार रैली को लेकर पार्टी द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। रैली में आने वाले लोगों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने बताया कि पूरे कॉलेज ग्राउंड को वाटर प्रूफ टेंट से कवर किया जाएगा, ताकि मौसम की किसी भी परिस्थिति में रैली में शामिल होने वाले लोगों को परेशानी न हो। व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए हजारों वालंटियर तैनात किए जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा ने कहा कि प्रदेश भर से आने वाले कार्यकर्ताओं और नेताओं का जिला महेंद्रगढ़ की जनता अद्भुत स्वागत करेगी क्योंकि यहां की जनता अतिथि देवो भव की नीति अपनाती है। जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि रैली की व्यवस्थाओं को संभालने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी इनसो की टीम को सौंपी गई है। इनसो के हजारों युवा वालंटियर अनुशासन, पार्किंग, यातायात और लोगों की सहायता सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को संभालेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता इस रैली को ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत से जुटा हुआ है। इस अवसर पर जेजेपी जिला प्रधान राजकुमार खातोद, इनसो प्रदेश अध्यक्ष दीपक मलिक, प्रदेश कार्यालय सचिव रविंद्र सांगवान, गुरदीप सांगवान, आकाश चावला आदि मौजूद रहे।

हरियाणा में वैश्विक निवेश को मिलेगी नई गति: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा यूके और जर्मनी दौरे पर

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा में वैश्विक निवेश को बढ़ावा देने और प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक एवं निवेश मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान दिलाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 28 नवंबर से 5 दिसंबर, 2026 तक यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी के दौरे पर रहेगा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल प्रमुख वैश्विक कंपनियों, निवेशकों, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करेगा। प्रतिनिधिमंडल में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहेंगे।

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार प्रदेश को वैश्विक निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में पहले भी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान, सिंगापुर और स्वीडन का दौरा कर चुका है। इन दौरों के दौरान विभिन्न कंपनियों के साथ निवेश, औद्योगिक सहयोग और साझेदारी को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं और लगभग 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक के महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर निवेश के लिए सहमति बनी है। इसी कड़ी में अब प्रतिनिधिमंडल यूनाइटेड किंगडम (यूके) और जर्मनी के दौरे पर जा रहा है।

व्यापार, निवेश, शिक्षा, AI और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर होगा फोकस

डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि यूके दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल विभिन्न बिजनेस लीडर्स, वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करेगा। इसके अतिरिक्त, सी.आई.आई. के प्रतिनिधिमंडल के साथ भी हरियाणा में निवेश की संभावनाओं और औद्योगिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री हरियाणा मूल के प्रवासी भारतीयों से भी संवाद करेंगे और उन्हें प्रदेश की विकास यात्रा से जुड़ने तथा हरियाणा में निवेश के माध्यम से राज्य की आर्थिक प्रगति में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित करेंगे।

उन्होंने बताया कि 30 नवंबर और 1 दिसंबर को मुख्यमंत्री विभिन्न प्रमुख उद्योगों, कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठकें करेंगे। इसके साथ ही भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार एवं निवेश की संभावनाओं को लेकर विशेष राउंडटेबल बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में शिक्षा, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत चर्चा होगी और विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री यूके के सांसदों एवं अन्य प्रमुख प्रतिनिधियों को हरियाणा आने तथा अप्रैल 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

मुख्यमंत्री इस दौरान यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के सेंटर फॉर साइंस एंड पॉलिसी के प्रतिनिधियों के साथ भी संवाद करेंगे। इसके अलावा, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड में अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से संवाद कर उनके अनुभवों, विचारों और हरियाणा के विकास में उनकी संभावित भूमिका पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री क्वीन्स एलिजाबेथ स्कूल, बार्नेट का भी दौरा करेंगे, जहां शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग और हरियाणा में शैक्षणिक कैंपस स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

लंदन में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में शामिल होंगे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, वैश्विक मंच पर गूंजेगा गीता का संदेश-डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि लंदन में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का भी विशेष आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी विशेष रूप से हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत और धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के महत्ता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही, श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वभौमिक संदेश–कर्म, कर्तव्य और मानव कल्याण–को विश्वभर में प्रसारित करने तथा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने पर विशेष बल दिया जाएगा।

जर्मनी में हरियाणा का स्टेट रोड-शो, निवेशकों और प्रमुख कंपनियों के साथ होंगी मैराथन बैठकें-डॉ. अमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि जर्मनी दौरे के दौरान 2 दिसंबर को हरियाणा स्टेट रोड-शो आयोजित किया जाएगा। इस रोड-शो के माध्यम से हरियाणा की मजबूत औद्योगिक आधारभूत संरचना, निवेश अनुकूल नीतियों, बेहतर कनेक्टिविटी, कुशल मानव संसाधन और निवेश की व्यापक संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। निवेशकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को हरियाणा सरकार की उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन नीतियों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही, विभिन्न कंपनियों और निवेशकों को हरियाणा में निवेश करने तथा औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर को मुख्यमंत्री जर्मनी के प्रतिष्ठित अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान फ्राउनहोफर के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में हरियाणा में प्रस्तावित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा होगी। इस संबंध में समझौता ज्ञापन (ख्व) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। प्रस्तावित सेंटर में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और एनर्जी स्टोरेज जैसे अत्याधुनिक एवं रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे हरियाणा में अनुसंधान, नवाचार, तकनीकी विकास और उद्योगों के बीच सहयोग को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। इसी प्रकार, 4 और 5 दिसंबर को मुख्यमंत्री जर्मनी की विभिन्न प्रमुख कंपनियों, उद्योगपतियों और संभावित निवेशकों के साथ वन-टू-वन बैठकें करेंगे। इन बैठकों के माध्यम से हरियाणा में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक सहयोग और दीर्घकालिक व्यावसायिक साझेदारी के नए अवसरों पर चर्चा की जाएगी।

लगातार तीसरी बार चीफ नेशनल कमिश्नर बनने पर डॉ. के. के. खंडेलवाल का होगा नागरिक अभिनंदन

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी डॉ. के. के. खंडेलवाल को लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए 'द भारत स्काउट्स एंड गाइड्स' का चीफ नेशनल कमिश्नर नियुक्त किए जाने के उपलक्ष्य में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के तत्वावधान में यह विशेष समारोह शनिवार, 28 नवंबर 2026 को गुरुग्राम में आयोजित होगा।

'आपका स्नेह और प्रोत्साहन मेरी यात्रा में सदैव शक्ति का स्रोत रहा है': डॉ. खंडेलवाल

सामूहिक प्रतिबद्धता का सम्मानः इस गौरवपूर्ण अवसर पर डॉ. के. के. खंडेलवाल ने अपने वरिष्ठजनों, विशिष्ट सहयोगियों और मित्रों को आत्मीय निमंत्रण प्रेषित किया है। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार चीफ नेशनल कमिश्नर का दायित्व सौंपा जाना केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि यह स्काउटिंग और गाइडिंग आंदोलन के आदर्शों, मूल्यों तथा महान मिशन के प्रति सभी की सामूहिक प्रतिबद्धता की पहचान है।

गरिमामयी उपस्थिति का किया आग्रहः डॉ. खंडेलवाल ने कहा कि उनके शुभचिंतकों का स्नेह, सद्भावना और प्रोत्साहन हमेशा उनकी जीवन यात्रा में शक्ति और प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत रहा है। उन्होंने सभी से इस अविस्मरणीय अवसर पर अपनी गरिमामयी



उपस्थिति प्रदान कर समारोह की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया है।

गुरुग्राम के सेक्टर 17-ए में होगा आयोजनः यह रहेगा कार्यक्रम का विवरण

तिथि एवं स्थानः यह अभिनंदन समारोह शनिवार, 28 नवंबर 2026 को ब्लिस प्रीमियर, सुखाली एन्क्लेव, सेक्टर 17-ए, गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, शाम 5:00 बजे भव्य शोभायात्रा (प्रोसेशन) निकाली जाएगी। इसके पश्चात शाम 6:00 बजे मुख्य अभिनंदन समारोह होगा तथा शाम 7:00 बजे से रात्रिभोज (डिनर) का आयोजन रहेगा।

वैभव सूर्यवंशी को तूफानी दोहरे शतक पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने दीं शुभकामनाएं

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी द्वारा भारतीय-ए टीम के लिए यूएई के खिलाफ मात्र 52 गेंदों में दोहरा शतक जड़कर इतिहास रचने पर उन्हें शुभकामनाएं दी और सूर्यवंशी को आने वाले क्रिकेट जगत का शंखनाद बताया। वहीं उन्होंने पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के गठबंधन को लेकर आप पार्टी द्वारा दिए गए बयान पर तीखा प्रहार करते हुए आप पार्टी को ही ठग बताया।

विज ने आज पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि वैभव सूर्यवंशी ने क्रिकेट की दुनिया में चमत्कार कर दिया है और छोटी उम्र में 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाकर तहलका मचा दिया है। उन्होंने कहा ये आने वाली क्रिकेट के भविष्य का शंखनाद है। वैभव सूर्यवंशी ने भारत का नाम रोशन कर दिया है और 140 करोड लोगों की शुभकामनाओं से कई और नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। वैभव सूर्यवंशी को मंत्री



अनिल विज ने शुभकामनाएं दी।

भाजपा और शिरोमणि अकाली दल गठबंधन को लेकर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस द्वारा दिए ठगों व अवसरवादी जैसे बयानों पर पलटवार करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि ठग कौन है यह सारी दुनिया जानती है। आम आदमी पार्टी का तो जन्म ही ठगी से हुआ था। अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ दिल्ली में आंदोलन किया था और उनको भारी समर्थन मिला था लेकिन अन्ना हजारे जी ने कभी एक बार भी नहीं कहा कि वह राजनीतिक पार्टी बनाकर सुधार करना चाहते हैं लेकिन इन्होंने उनकी लोकप्रियता को ठगी से चुराकर और लोगों को जोड़कर अपनी पार्टी बना ली लेकिन बेईमानी का काम बार-बार नहीं चलता।

दिल्ली से आम आदमी पार्टी के गुरु अरविंद केजरीवाल को हमने उखाड़कर फेंक दिया है और अब पंजाब में आम आदमी पार्टी केजरीवाल के चेले भगवंत मान को भी उखाड़ कर फेंक देंगे। उन्होंने कहा कांग्रेस को सभी जगह पर हाशिए पर धकेल दिया है और लगभग 22 प्रांतों से कांग्रेस हार चुकी है और भाजपा ने वहां पर सरकारें बनाई है। वहीं ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पंजाब चुनाव की भविष्यवाणी करते हुए कहा पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और भाजपा गठबंधन मिलकर सरकार बनाएंगे।

संविधान रक्षा मार्च को लेकर कालका में कांग्रेस की अहम बैठक, 26 नवंबर से पंचकूला में शुरू होगा अभियान



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी तथा संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के स्पष्ट निर्देशों पर चल रहे 'वोट बचाओ देश बचाओ' अभियान के तहत हरियाणा में 'संविधान रक्षा अभियान' और 'वोट रक्षक अभियान' को पूरी ताकत से चलाया जा रहा है। प्रदेश प्रभारी संजय दत्त के कड़े मार्गदर्शन और प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में यह अभियान अब सीधी टक्कर का रूप ले चुका है। कालका में आयोजित बैठक में कांग्रेस के विधायक, पूर्व विधायक और संगठन के पदाधिकारियों ने इस बैठक में शिरकत की। प्रदेश प्रभारी संजय दत्त ने 26 नवंबर से पंचकूला से शुरू होने वाली संविधान रक्षा मार्च को लेकर कार्यकर्ताओं को ललकारते हुए कहा कि सत्ताधारी दल तानाशाही और गैर-कानूनी हथकंडों से लोगों का मताधिकार छीनकर सत्ता हथिया रहा है। इसके बाद आम जनता का जीना दूभर कर दिया जाता है। कांग्रेस हर मुद्दे और हर संघर्ष में जनता के साथ खड़ी है। यह संघर्ष तब तक नहीं रुकेगा जब तक भाजपा सरकार अपनी गलत और असंवैधानिक नीतियों से पीछे नहीं हटती, लोकतांत्रिक मतदान प्रणाली बहाल नहीं करती और मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त कर किसी जिम्मेदार व्यक्ति को यह पद नहीं सौंपती।

प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने साफ कहा कि संविधान रक्षा मार्च सरकार को झकझोरने के लिए है। कांग्रेस कार्यकर्ता हर व्यक्ति तक पहुंचकर मौजूदा सरकार के अन्याय और असंवैधानिक कारनामों का पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने बताया कि 'वोट बचाओ देश बचाओ' अभियान पूरे प्रदेश में फैल चुका है क्योंकि कार्यकर्ताओं ने इसे सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

उन्होंने सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि अभियान के साथ-साथ आम जनता के मुद्दों को भी मजबूती से उठाएं। जनसंपर्क कर उनकी समस्याओं को समझें, उनसे सीधा संवाद करें और जिला स्तर पर अधिकारियों पर दबाव बनाकर समस्याओं का समाधान करवाएं।

इस मौके पर पूर्व विधायक चंद्र मोहन, पूर्व विधायक प्रदीप चौधरी, चेयरमैन सुनील शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सुनील, राजेश कोना, विजय बंसल, अजय सिंगला, ओम प्रकाश, बलविंदर, भूरी बेगम सहित कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घोषणाओं से नहीं होता खिलाड़ियों का सम्मान, समय पर मिले पुरस्कार राशि और सुविधाएं : सैलजा

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में खिलाड़ियों को समय पर पुरस्कार राशि, खेल किट और यात्रा भत्ता नहीं मिलने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार खिलाड़ियों के सम्मान में बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो करती है, लेकिन उन्हें धरातल पर लागू करने में गंभीरता नहीं दिखाती। केवल घोषणाओं से खिलाड़ियों का सम्मान नहीं होता, इसके लिए उन्हें समय पर उनका हक देना जरूरी है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि रोहतक में आयोजित अंडर-14 राज्य स्तरीय स्कूली योग एवं हॉकी प्रतियोगिताओं के डेढ़ माह बाद भी 72 पदक विजेताओं को पुरस्कार राशि नहीं मिली है। वहीं, करीब 840 खिलाड़ियों का यात्रा एवं दैनिक भत्ता अटका हुआ है तथा 620 खिलाड़ी अभी तक खेल किट का इंतजार कर रहे हैं। प्रतियोगिता से पहले मिलने वाली खेल किट के लिए अब टेंडर प्रक्रिया अपनाया जाना विभागीय



कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा के अनेक खिलाड़ी अपने व्यक्तिगत प्रयासों, अभिभावकों की मेहनत और सीमित संसाधनों के बल पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाते हैं। अनेक गांवों में ग्रामीण और ग्राम पंचायतें मिलकर खिलाड़ियों की तैयारी में आर्थिक एवं अन्य सहयोग करती हैं। इसके बावजूद सरकार पदक जीतने के बाद घोषित पुरस्कार राशि भी समय पर उपलब्ध नहीं करवा पाती।

कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के अनेक खेल मैदानों और स्टेडियमों में गुणवत्तापूर्ण खेल उपकरण, प्रशिक्षक तथा आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। सरकार को खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए जमीनी स्तर पर निवेश करना चाहिए। सांसद ने मुख्यमंत्री से मांग की कि खिलाड़ियों की लंबित पुरस्कार राशि और भत्तों का तत्काल भुगतान किया जाए, खेल किट उपलब्ध करवाई जाए तथा प्रदेशभर के खेल मैदानों की स्थिति की समीक्षा कर सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।

नकली दवाओं का कारोबार जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ :

कुमारी सैलजा ने गुरुग्राम में जब्त करीब 70 लाख रुपये के कथित नकली माउंजारो इंजेक्शन के सभी छह नमूने जांच में विफल पाए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निर्धारित 10 मिलीग्राम के मुकाबले अधिकतम 1.6 मिलीग्राम औषधि मिलना बेहद चिंताजनक है। जीवनरक्षक और उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाओं की गुणवत्ता से समझौता किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। सरकार प्रदेशभर में दवाओं की नियमित जांच करवाए, नकली दवाओं के निर्माण और बिक्री से जुड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करे तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटी मेवात विकास एजेंसी : उपायुक्त

अनप्लग इंडिया

तावडू। मेवात इंजीनियरिंग कॉलेज, नूंह में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मेवात विकास एजेंसी (एमडीए) द्वारा विभिन्न विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। एजेंसी की ओर से कॉलेज में खेल मैदानों को दुरुस्त करवाने के साथ-साथ खेल उपकरणों की उपलब्धता, पुस्तकालय के लिए नई पुस्तकों की खरीद तथा सौर ऊर्जा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

उपायुक्त एवं मेवात विकास एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अखिल पिलानी ने बताया कि कॉलेज में विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए क्रिकेट, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और वॉलीबॉल के मैदानों को दुरुस्त करवाया जा रहा है। इन कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए मेवात विकास एजेंसी के उप कार्यकारी अधिकारी अशोक कुमार तथा वीनस पंचायत राज के कार्यकारी अभियंता ने कॉलेज का दौरा किया और संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कॉलेज के पुस्तकालय को समृद्ध बनाने और विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से मेवात विकास एजेंसी द्वारा लगभग 20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके तहत पुस्तकों की खरीद के लिए निविदा प्रक्रिया जारी है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि विभिन्न खेलों से संबंधित अधिकांश खेल उपकरण कॉलेज में पहुंच चुके हैं, जबकि टेबल टेनिस के उपकरण भी जल्द उपलब्ध होने की उम्मीद है। इससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न खेलों में अभ्यास करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। उपायुक्त ने बताया कि कॉलेज परिसर में प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हरियाणा नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के माध्यम से 50 सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट लगवाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त कॉलेज में पहले से स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र को हाइब्रिड प्रणाली में परिवर्तित करने का कार्य भी शुरू हो गया है।

संविधान और विकसित हरियाणा पर सार्थक चर्चा होगी : हरविन्द्र कल्याण

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा की ओर से 26 नवंबर को बुलाए गए विशेष सत्र के बीच संविधान को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण सभी सदस्यों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाएंगे तथा उन्हें संविधान की हिंदी और अंग्रेजी की प्रतियां भेंट करेंगे। विधान सभा अध्यक्ष अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे निर्धारित विषय पर सार्थक व गंभीर चर्चा कर इस समय का प्रदेश हित में उपयोग करें। उन्होंने कहा कि सत्र का विषय 'हरियाणा की 60 वर्षों की गौरवमयी विकास-यात्रा तथा विकसित हरियाणा के लक्ष्य की प्राप्ति में जनभागीदारी तथा नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका' रहेगा। सत्र के शुभारंभ से पूर्व विधान सभा परिसर में स्थापित भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। सत्र की कार्यवाही सुबह 11 बजे शोक प्रस्तावों के साथ प्रारंभ होगी। 11 बजकर 10 मिनट पर कार्य सलाहकार समिति की बैठक होगी। इसके बाद सभी गणमान्य व्यक्ति विधान भवन के पुस्तकालय के सम्मुख स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तथा संविधान की प्रति पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। 11:30 बजे विधान भवन के बाहर सेरेमोनियल गेट के समीप संविधान को समर्पित विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान पंजाब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर दिनेश कुमार व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम में संविधान निर्माण की ऐतिहासिक यात्रा, संविधान निर्माताओं के योगदान और संविधान में निहित मूल्यों पर केंद्रित डॉक्यूमेंटरी फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। दोपहर 12:30 बजे सदन की कार्यवाही पुनः प्रारंभ होगी। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि विशेष सत्र का उद्देश्य संविधान के मूल्यों के प्रति जनप्रतिनिधियों की विकास यात्रा के प्रति प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करना तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास और सम्मान को और मजबूत करना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संविधान दिवस पर आयोजित यह विशेष सत्र सभी सदस्यों को संवैधानिक आदर्शों व सदन की मर्यादा के अनुरूप अपने दायित्वों का निर्वहन करने और देश तथा प्रदेश के लोकतांत्रिक भविष्य को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

बाल दिवस प्रतियोगिताओं में भाग लेना ही सबसे बड़ी उपलब्धि, पुरस्कार न मिलने पर निराश न हों विद्यार्थी : उपायुक्त अखिल पिलानी

अनप्लग इंडिया

तावडू। जिला बाल कल्याण परिषद नूंह द्वारा बाल भवन में आयोजित जिला स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं का आज समापन हो गया। समापन समारोह में उपायुक्त अखिल पिलानी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की । उपायुक्त ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया । इस अवसर पर उपायुक्त अखिल पिलानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन बच्चों को प्रतियोगिताओं में पुरस्कार नहीं मिला है, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने का साहस दिखाया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया । प्रतियोगिताओं में भाग लेना भी अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। विद्यार्थियों को प्रत्येक अवसर से सीखते हुए निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए । उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से आह्वान किया कि वे अपने स्कूलों को साफ-सुथरा रखें और स्वच्छता को अपनी दैनिक आदतों में शामिल करें। उन्होंने बच्चों को अपने माता-पिता, शिक्षकों एवं बड़ों की बात मानने तथा उनका सम्मान करने की सीख देते हुए





कहा कि बड़े हमेशा बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं और उनका मार्गदर्शन करते हैं। उपायुक्त ने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बच्चों को किताबी शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार और शिष्टाचार भी सिखाए जाने चाहिए। बच्चों को दैनिक जीवन में थैंक यू, गुड मॉर्निंग और वेलकम जैसे शिष्टाचार से जुड़े शब्दों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, ताकि उनमें सकारात्मक व्यवहार और अच्छे सामाजिक संस्कार विकसित हों । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने में आज के बच्चों की अहम भूमिका होगी। यही बच्चे भविष्य में युवा शक्ति के रूप में देश की जिम्मेदारी संभालेंगे और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करेंगे। इस लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक बच्चों को बेहतर शिक्षा, संस्कार और सही दिशा प्रदान कर राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करें। उन्होंने बच्चों से जीवन में हमेशा कुछ नया सीखते रहने का भी आह्वान किया। उपायुक्त ने बताया कि बाल भवन में ही आज दिनांक 25 से 27 नवंबर तक हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में मंडल स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं का भी शुभारंभ हो रहा है । उन्होंने मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । इस अवसर पर जिला बाल कल्याण अधिकारी अनिल दहिया, एफ. एल .एन. कोऑर्डिनेटर कुसुम मलिक, समाजसेवी जी. एस. मलिक सहित विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

कागजों में डायवर्जन, हाईवे पर दौड़ते रहे ट्रक, गुरु का ताल पर मंडराता रहा खतरा

अनप्लग इंडिया

आगरा गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा गुरु का ताल के आसपास भारी वाहनों के लिए डायवर्जन लागू किया गया था, लेकिन हाईवे पर दिनभर ट्रक और डंपर दौड़ते रहे। पुलिस की निगरानी में चूक से श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर खतरा मंडराता रहा और सिकंदरा में जाम लगा। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा गुरु का ताल में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंगलवार सुबह से हाईवे पर किया गया भारी वाहनों का डायवर्जन पुलिस अफसरों के लापरवाह रवैये से सिर्फ खानापूर्ति बनकर रह गया। हाईवे से दिनभर ट्रक, ट्रॉला, डंपर, टैंकर और कंटेनर गुजरते रहे। इसके कारण लोगों को न सिर्फ जाम से जूझना पड़ा बल्कि श्रद्धालुओं की जान भी जोखिम में डाली गई। दोपहर बाद गुरुद्वारे पर कट बंद करने से सिकंदरा पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। प्रकाश पर्व के लिए डीसीपी ट्रैफिक ज्ञानेंद्र कुमार ने हाईवे पर भारी वाहनों के लिए सुबह आठ बजे से डायवर्जन की व्यवस्था की थी। वाहनों को उत्तरी बाईपास और दक्षिणी बाईपास से फिरोजाबाद और कुबेरपुर कट से यमुना एक्सप्रेसवे होते हुए मथुरा की तरफ निकाला जाना था। यह आदेश कार्यक्रम समाप्ति तक के लिए था। पुलिस की ढिलाई से हाईवे पर भारी वाहन भीड़ के बीच रफ्तार से चलते रहे। गुरुद्वारे पर सर्विस रोड से लेकर कट तक पुलिस तैनात थी हाईवे से निकलते भारी वाहन नहीं दिखे। उन्हें रास्ते से निकलने की खुली छूट दी गई। किसी अधिकारी ने भी यह जानने की जहमत नहीं उठाई कि डायवर्जन का पालन हो रहा है या नहीं। यह तब था जब ट्रांसपोर्ट नगर की ओर की सर्विस रोड से लोग हाईवे पार कर गुरुद्वारा की तरफ जा रहे थे। शाम को पांच बजे गुरुद्वारा कट पर बैरियर लगा दिए गए। यहां से वाहनों का टर्न लेना बंद हो गया। एक तरफ भारी वाहन निकल रहे थे तो दूसरी तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ निकल रही थी। कट बंद करने से सिकंदरा पर फंसे वाहन पुलिस ने गुरुद्वारा पर कट बंद कर दिया तो आरओबी से आने वाले वाहनों को खंदारी की तरफ जाने के लिए या तो ट्रांसपोर्ट नगर सर्विस रोड से जाना पड़ा या भावना एस्टेट कट से यूटर्न लेकर आना पड़ रहा था। वाहनों का दबाव बढ़ने की वजह से सिकंदरा और गुरुद्वारा कट पर वाहनों की लाइन लग गई। रात आठ बजे तक स्थित और बिगड़ गई। पुलिसकर्मियों ने वाहनों के डायवर्जन में कोई रुचि नहीं दिखाई। इससे लोग जाम से जूझते रहे। पांच मिनट का रास्ता तय करने में आधे से एक घंटे का समय लगा। डीसीपी ट्रैफिक ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि प्रकाश पर्व के मद्देनजर हाईवे पर भारी वाहनों का डायवर्जन किया गया था। किसी तरह की लापरवाही हुई है तो जांच कराई जाएगी। बिना अनुमति कोई भी भारी वाहन निकला है तो पुलिसकर्मियों से जवाब तलब किया जाएगा। दोषी के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

एडीसीपी नीतू कादयान का गौतमबुद्धनगर तबादला, सोनभद्र और आजमगढ़ में भी बदले पुलिस अधिकारी

अनप्लग इंडिया

वाराणसी उत्तर प्रदेश में पुलिस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। वाराणसी की एडीसीपी नीतू कादयान को गौतमबुद्धनगर भेजा गया है। सोनभद्र के अनुप कुमार और माविस टॉक समेत आजमगढ़ के कई अधिकारियों की तैनाती में भी बदलाव किया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। शासन की ओर से जारी दो अलग-अलग तबादला आदेशों में कुल 28 पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। इनमें वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में तैनात अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) नीतू कादयान का भी तबादला शामिल है। उन्हें गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में नई जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा सोनभद्र, आजमगढ़ और मऊ समेत कई जिलों के अधिकारियों को भी नई तैनाती मिली है। दो आदेशों में 28 अधिकारियों के तबादले जारी आदेशों के अनुसार, पहले आदेश में 10 और दूसरे आदेश में 18 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इस तरह कुल 28 अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। वाराणसी की नीतू कादयान गौतमबुद्धनगर भेजीं गईं वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात आईपीएस अधिकारी नीतू कादयान को गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। वह आईपीएस आरआर-2020 बैच की अधिकारी हैं। सोनभद्र में तैनात अपर पुलिस अधीक्षक अनुप कुमार को मऊ से सोनभद्र भेजा गया है। वहीं, सोनभद्र में अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात माविस टॉक को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। आजमगढ़ में भी नई तैनाती आजमगढ़ में अपर पुलिस अधीक्षक यातायात के पद पर तैनात अरुण कुमार सिंह को इसी पद पर नई तैनाती दी गई है। वहीं, आजमगढ़ के अपर पुलिस अधीक्षक यातायात पंकज कुमार श्रीवास्तव का तबादला मऊ कर दिया गया है। मुरादाबाद के अपर पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह को आजमगढ़ में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बनाया गया है। तबादला सूची में अन्य जिलों और पुलिस इकाइयों में तैनात अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। सभी अधिकारियों को नई तैनाती पर कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए

वाराणसी मंडल में 20 जनवरी से होंगी प्रैक्टिकल परीक्षाएं, बोर्ड ने जारी किया शेड्यूल

अनप्लग इंडिया

वाराणसी यूपी बोर्ड ने 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट प्रयोगात्मक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। वाराणसी मंडल में 20 से 28 जनवरी तक परीक्षाएं होंगी। प्री-बोर्ड प्रैक्टिकल दिसंबर के अंतिम सप्ताह में और कक्षा 10 की लिखित परीक्षाएं जनवरी के पहले सप्ताह में होंगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2027 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसके तहत वाराणसी मंडल में 20 से 28 जनवरी 2027 तक प्रयोगात्मक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। वाराणसी समेत छह मंडलों में दूसरे चरण के तहत परीक्षाएं होंगी। परिषद ने परीक्षा की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से कराने और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं। छह मंडलों में दूसरे चरण में होंगी परीक्षाएं परिषद के कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में वाराणसी, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर, प्रयागराज और गोरखपुर मंडल शामिल हैं। इन मंडलों में 20 से 28 जनवरी के बीच प्रयोगात्मक परीक्षाएं कराई जाएंगी। हाईस्कूल में विज्ञान और गृह विज्ञान विषय को छोड़कर अन्य विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं विद्यालय स्तर पर आंतरिक मूल्यांकन और प्रोजेक्ट कार्य के आधार पर होंगी। विज्ञान और गृह विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षाएं विद्यालयों में आयोजित की जाएंगी। व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को अपने अग्रसारण केंद्र के प्रधानाचार्य से संपर्क कर परीक्षा में शामिल होना होगा। हाईस्कूल के आंतरिक मूल्यांकन, नैतिक योग, खेल एवं शारीरिक शिक्षा और इंटरमीडिएट के नैतिक योग, खेल एवं शारीरिक शिक्षा के अंक विद्यालयों के प्रधानाचार्य परिषद की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड करेंगे। इसके लिए परिषद की वेबसाइट एक जनवरी 2027 से सक्रिय होगी। दिसंबर में प्री-बोर्ड प्रायोगिक परीक्षाएं विद्यालय स्तर पर प्री-बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं दिसंबर 2026 के अंतिम सप्ताह में आयोजित होंगी। क्षेत्रीय बोर्ड कार्यालय के अपर सचिव भास्कर मिश्रा ने बताया कि कक्षा 10 की प्री-बोर्ड लिखित परीक्षाएं जनवरी 2027 के पहले सप्ताह में कराई जाएंगी। वहीं, कक्षा नौ और 11 की वार्षिक परीक्षाएं जनवरी के दूसरे और तीसरे सप्ताह में होंगी। सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी परिषद ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया है कि प्रयोगात्मक परीक्षाओं की नियुक्ति और अन्य जरूरी सूचनाओं के लिए संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय से संपर्क करें। परीक्षाओं के दौरान सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। साथ ही इसकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

एआई ने बदला कैंपस प्लेसमेंट का गणित, कोडिंग की अहमियत घटी, पाठ्यक्रम बदल रहे हैं संस्थान

अनप्लग इंडिया

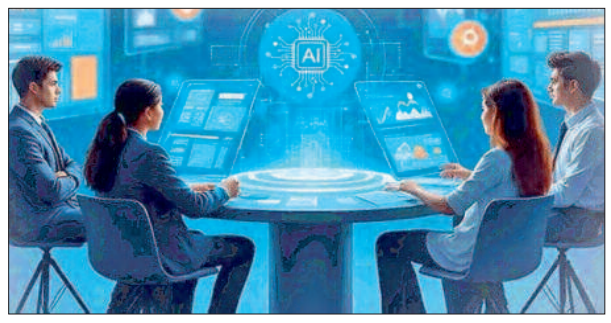

कानपुर तकनीकी संस्थानों में दिसंबर से शुरू होने वाले कैंपस प्लेसमेंट में एआई, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स व क्लाउड कंप्यूटिंग में दक्ष छात्रों को प्राथमिकता मिलेगी और 30 से 35 फीसदी कंपनियां एआई कौशल की मांग कर रही हैं। बदलते भर्ती पैटर्न के बीच पारंपरिक कोडिंग व अंकों के बजाय प्रॉब्लम सॉल्विंग और एजेंटिक एआई स्क्रीनिंग पर जोर बढ़ा है। कानपुर के तकनीकी संस्थानों में दिसंबर से शुरू होने वाले कैंपस प्लेसमेंट में इस बार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की समझ रखने वाले विद्यार्थियों को प्राथमिकता मिलेगी। कंपनियों ने भर्ती की रणनीति में बदलाव करते हुए एआई, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी नई तकनीकों में दक्ष युवाओं पर फोकस किया है। इसका असर संस्थानों की पढ़ाई पर भी दिखने लगा है। कुछ संस्थानों ने अब सभी ब्रांच के पाठ्यक्रमों में एआई को शामिल करना शुरू कर दिया है। अब कंपनियां पारंपरिक कोडिंग को तवज्जो कम दे रही हैं। उसकी जगह प्रॉब्लम सॉल्विंग अप्रोच यानी समस्या का समाधान खोजने की क्षमता को प्राथमिकता दी जा रही है। इस बदलाव का असर इंजीनियरिंग की सबसे लोकप्रिय ब्रांच कंप्यूटर साइंस (सीएस) के प्रति विद्यार्थियों के रुझान पर भी पड़ सकता है। यूपीटीटीआई, एआईटीडी, एचबीटीयू सहित अन्य संस्थानों में आने वाली कंपनियों ने अपनी जरूरतों के अनुरूप कौशल को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। अब 30 से 35 फीसदी कंपनियां एआई स्किल को प्राथमिकता दे रही हैं। एचबीटीयू के प्लेसमेंट इंचार्ज प्रो. नवीन कुमार ने बताया कि पहले कंपनियां प्लेसमेंट के दौरान विद्यार्थियों की डिग्री, कोडिंग और कम्युनिकेशन स्किल देखती थीं। अब प्लेसमेंट के लिए आने वाली 30 से 35 फीसदी कंपनियां एआई स्किल की मांग कर रही हैं। इसे देखते हुए पाठ्यक्रम में बदलाव शुरू कर दिया गया है। सभी ब्रांच में एआई को शामिल करने की तैयारी है। कुछ ब्रांच में इसे लागू भी किया जा चुका है। इंटर्नशिप और प्री-प्लेसमेंट ऑफर पर भी पड़ रहा असर एआईटीडी के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. मनीष राजपूत ने कहा कि एआई के कारण कंपनियों की जरूरतें बदल रही हैं। पहले जिन कामों के लिए बड़ी संख्या में फ्रेशर इंजीनियरों की जरूरत होती थी उनमें से कुछ अब एआई टूल की मदद से कम समय में पूरे हो रहे हैं। इसका असर इंटर्नशिप और प्री-प्लेसमेंट ऑफर पर भी पड़ रहा है। कंपनियां इंटर्नशिप को केवल प्रशिक्षण तक सीमित रखने के बजाय संभावित कर्मचारियों की पहचान के माध्यम के रूप में देख रही हैं। भर्ती प्रक्रिया में एआई बेस्ड कम्युनिकेशन और एजेंटिक एआई पर जोर पीएसआईटी के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. मनमोहन शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष देश-विदेश की शीर्ष एमएनसी कंपनियों ने प्लेसमेंट और हायरिंग प्रक्रिया में बदलाव किए हैं। कॉरपोरेट सर्वे और प्लेसमेंट आंकड़ों के अनुसार, हाल के प्लेसमेंट सीजन में शीर्ष टेक कंपनियों की कुल भर्तियों में लगभग 35 से 40 फीसदी एआई विशेषज्ञों और डेटा एनालिस्ट का चयन एआई आधारित कम्युनिकेशन और बिहेवियरल राउंड के आधार पर हुआ है। पिछले छह महीनों में प्रमुख आईटी और कंसल्टिंग कंपनियों ने एआई संचालित मूल्यांकन के जरिये 15 हजार से अधिक फ्रेशर्स और एआई विशेषज्ञों की नियुक्ति की है। उन्होंने बताया कि कंपनियों के आंतरिक कामकाज और भर्ती प्रक्रिया में एजेंटिक एआई यानी स्वायत्त रूप से निर्णय लेने वाले एआई सिस्टम का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। अनुमान के मुताबिक 60 फीसदी से अधिक बड़ी कंपनियों ने अपने वर्कफ्लो और शुरूआती स्क्रीनिंग में इसे शामिल कर लिया है। अब अंक नहीं देख रहीं कंपनियां प्लेसमेंट के लिए आने वाली कंपनियां अब अंकों को भी प्राथमिकता नहीं दे रही हैं। संस्थानों के अनुसार, प्रॉब्लम सॉल्विंग क्षमता के साथ सैप, सेल्सफोर्स, एडब्ल्यूएस और गूगल क्लाउड जैसे इंडस्ट्री आधारित सर्टिफिकेशन को भी महत्व मिलेगा। एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी से जुड़े लाइव प्रोजेक्ट विद्यार्थियों की दक्षता साबित करने का माध्यम बनेंगे। कंपनियां यह देखना चाहती हैं कि विद्यार्थी अपनी तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल वास्तविक समस्याओं को हल करने में किस तरह कर सकते हैं। एआई को कम तवज्जो देने वाली कंपनियों को बुला रहे संस्थान एआई के चलते कैंपस प्लेसमेंट में आने वाले बदलाव और कंपनी की बदलती प्राथमिकताओं के बीच संस्थान को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ रही है। असल में संस्थान आने वाली 30-35 फीसदी कंपनी स्किल छात्रों की डिमांड कर रही हैं ।

करोड़पति घोड़े की चाल पर फिदा हुए लोग, एक लाख का गधा भी खींच रहा लोगों का ध्यान

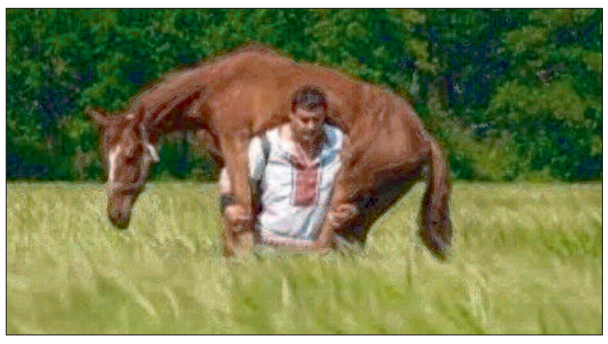

अनप्लग इंडिया

बलिया। बलिया जिले में आयोजित ददरी मेले में एक करोड़ का ह्यदेवाह्न घोड़ा आकर्षक का केंद्र बना है। इसके अलावा एक लाख का गधा भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। इन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है। ददरी मेले के नंदी बाजार में इन दिनों एक करोड़ का घोड़ा देवा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जिले के धरहरा से आया यह सफेद घोड़ा देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंच रहे हैं। इसी पंडाल में बुलेट, राजा और बादल चेतक प्रतियोगिता में हवा से बात करने को तैयार है। देवा की सुंदरता व लंबाई, ऊंचाई हर किसी का दिल जीत ले रहा है। सेंट जेवियर्स धरहरा के निदेशक अभिनव तिवारी के चार घोड़े मेले में उतरे हैं। इनमें देवा गुलाबी नोकड़ा कलर का है। उन्होंने बताया कि इस घोड़े को गुजरात से खरीद कर लाए थे। उस समय यह तीन माह का था। अब चार साल का हो गया है। यह घर के बच्चे की तरह है। इसको सुबह व शाम 12-12 लीटर कच्चा दूध पिलाया जाता है। इसके लिए दो गाय रखी गई हैं। गुजरात से इसके लिए विशेष डाइट मंगाई जाती है।

कर्ज वसूली के लिए दूसरे के मकान पर कब्जा नहीं कर सकती फाइनेंस कंपनी

अनप्लग इंडिया



प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्ज वसूली के लिए दूसरे व्यक्ति की संपत्ति पर कब्जा करने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि याची महिला का कर्ज की वसूली की कार्रवाई से कोई संबंध नहीं है बावजूद इसके उसकी आवासीय संपत्ति के हिस्से पर कब्जा कर लिया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्ज वसूली के लिए दूसरे व्यक्ति की संपत्ति पर कब्जा करने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना कि याची महिला का कर्ज की वसूली की कार्रवाई से कोई संबंध नहीं है बावजूद इसके उसकी आवासीय संपत्ति के हिस्से पर कब्जा कर लिया गया। कोर्ट ने हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के शाखा प्रबंधक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है कि याची के मकान का कब्जा उसे तत्काल वापस क्यों न दिलाया जाए। साथ ही फाइनेंस कंपनी को अगली सुनवाई तक विवादित संपत्ति बेचने से रोक दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन और न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की खंडपीठ ने मेरठ निवासी उषा की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि वह ग्राम-सलावा, तहसील-सरधना, मेरठ स्थित 75.63 वर्ग गज के आवासीय मकान की मालिक है। उसका न तो फाइनेंस कंपनी से कोई कर्ज है और न ही वह किसी कर्ज की गारंटर है। फाइनेंस कंपनी ने दो अन्य व्यक्तियों को कर्ज दिया था। इन कर्जदारों ने 258 वर्ग गज की दूसरी संपत्ति को गिरवी रखा था जो खसरा संख्या 1736-क में है।

फाइनेंस कंपनी ने सरफेसी अधिनियम की धारा-14 के तहत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष जो आवेदन दिया था उसमें गिरवी संपत्ति का विवरण खसरा संख्या 1736-क बताया गया था। जबकि याची का मकान खसरा संख्या 1729-ए और 1729-बी में है। इसके बावजूद फाइनेंस कंपनी के अधिकृत अधिकारी ने एक अक्तूबर को याची के मकान के कुछ हिस्से पर जबरन कब्जा कर लिया। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि प्रथम दृष्टया याची का कर्ज की वसूली से कोई लेना-देना नहीं है। ऐसे में मामले पर विचार किया जाना जरूरी है। अगली सुनवाई सात दिसंबर को होगी।

सबसे ऊंची बोली लगाने से नहीं मिलता ठेका पाने का अधिकार

अनप्लग इंडिया



प्रयागराज। टेंडर में सबसे ऊंची बोली लगा देने भर से किसी व्यक्ति को ठेका पाने का अधिकार नहीं मिल जाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जनहित और राजस्व हित को ध्यान में रखते हुए सरकार निविदा प्रक्रिया निरस्त कर नए सिरे से टेंडर आमंत्रित कर सकती है। सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी और औपचारिक अनुबंध होने के बाद ही ठेका पाने का अधिकार बनता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि सरकार जनहित और राजस्व हित को ध्यान में रखते हुए टेंडर प्रक्रिया निरस्त कर नए सिरे से निविदा आमंत्रित कर सकती है। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले व्यक्ति को भी ठेका पाने का कोई निहित अधिकार नहीं है। जब तक सक्षम प्राधिकारी बोली स्वीकार कर औपचारिक अनुबंध नहीं करता, तब तक ठेका पाने का अधिकार नहीं बनता। यह आदेश न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला और न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की खंडपीठ ने मेसर्स शिव अनंत इंटरप्राइजेज की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची ने सिद्धार्थनगर के बंसी ब्लॉक में खाद्यान्न परिवहन के ठेके की निविदा निरस्त करने के आदेश और नए सिरे से टेंडर आमंत्रित करने की कार्रवाई को चुनौती दी थी। याची ने निरस्तीकरण आदेश रद्द करने और उसे सबसे कम दर वाला पात्र बोलीदाता मानते हुए कार्यादेश जारी करने की मांग की थी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि विभाग ने याची को एल-1 (सबसे कम बोलीदाता) की दर पर काम करने का प्रस्ताव दिया था लेकिन उसने सहमति नहीं दी। इसलिए विभाग का टेंडर निरस्त करने का निर्णय अनुचित नहीं था। हालांकि, सुनवाई के दौरान याची ने एल-1 की दर पर काम करने की सहमति दी। कोर्ट ने उसे एक सप्ताह में नया प्रत्यावेदन देने और कोई कानूनी बाधा न होने पर कार्यादेश जारी करने का निर्देश दिया। इसी के साथ याचिका निस्तारित कर दी गई।

बसपा ने खोल दिए पत्ते, इन दो विधानसभा पर चला ब्राह्मण-ओबीसी कार्ड; भाजपा-सपा की बढ़ी टेंशन

अनप्लग इंडिया



आगरा आगरा में विधानसभा चुनाव 2027 की सियासी तैयारियां तेज हो गई हैं। बसपा ने खेरागढ़ में ब्राह्मण और एत्मादपुर में ओबीसी कार्ड खेलते हुए प्रत्याशी घोषित किए हैं, जबकि भाजपा और सपा-कांग्रेस गठबंधन में टिकटों पर मंथन जारी है। यूपी विधानसभा चुनाव-2027 की बिसात बिछाते हुए बहुजन समाज पार्टी ने सबसे पहले अपने पत्ते खोल दिए हैं। पार्टी ने खेरागढ़ से ब्राह्मण और एत्मादपुर की सामान्य सीट पर पिछड़ा कार्ड खेलते हुए प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। इसके अलावा फतेहपुर सीकरी, आगरा ग्रामीण और छावनी सीट पर भी अघोषित लड़ाके तय हो गए हैं, जबकि भाजपा और सपा-कांग्रेस गठबंधन में अभी टिकटों पर मंथन जारी है। बसपा नेतृत्व ने एत्मादपुर सामान्य सीट से पिछड़ा वर्ग के सर्वेश बघेल को मैदान में उतारा है। इससे पहले पार्टी जातीय समीकरणों को साधते हुए खेरागढ़ विधानसभा क्षेत्र से ब्राह्मण चेहरे के रूप में नीरज रावत को उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। चुनाव से करीब चार महीने पहले ही पार्टी ने पांच सीटों पर स्थिति लगभग स्पष्ट कर बढ़त बनाने की कोशिश की है। जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर 10 साल से भारतीय जनता पार्टी काबिज है। 2017 और 2022 के बाद जहां एक तरफ भाजपा के पास तीसरी बार क्लीन स्वीप कर हैट्रिक लगाने का मौका है। वहीं, दूसरी तरफ 2007 और 2012 में छह-छह सीटों पर जीत दर्ज करने वाली बसपा के सामने खिसकते जनाधार को बचाने की कड़ी चुनौती है। पिछले दो चुनावों में बसपा का हाथी भाजपा के कमल के आगे चारों खाने चित हो गया था। पिछले चुनाव में तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंची समाजवादी पार्टी, पीडीए के रथ पर सवार होकर जिले में 15 साल का सूखा खत्म होने की आस में परिवर्तन की ताल ठोक रही है।

जान से मारने की धमकी की एफआईआर के 48 दिन बाद भी जांच अधूरी, साधु की हो गई हत्या

अनप्लग इंडिया



प्रयागराज। जान का खतरा बताकर 48 दिन पहले पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई थी, लेकिन शिकायत पर कार्रवाई जांच तक ही सीमित रही। साधु दयाल दास ने दो लोगों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने की एफआईआर दर्ज कराई थी। तीन दिन तक कमरे का ताला खुलवाने के लिए थाने के चक्कर भी लगाए, लेकिन उनकी फरियाद अनसुनी रह गई। अब हत्या के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। साधु दयाल दास ने सात अक्तूबर को थरवई पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर दो लोगों से जान का खतरा बताया था। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी भी दर्ज की लेकिन पुलिस जांच समाप्त होने से पहले ही दयाल दास बाबा का जीवन समाप्त हो गया। 48 दिन बाद भी मामले में अभी जांच जारी है। सात अक्तूबर को दर्ज एफआईआर के मुताबिक, साधु ने पुलिस को बताया था कि वह जब सो रहे थे तो किसी ने मंदिर का घंटा चोरी कर कमरे का ताला तोड़ा। पूछताछ करने पर भी जब कोई जानकारी नहीं हुई। गांव के दो लोगों पर धमकी देने का आरोप भी लगा था। वहीं, इस मामले में एसीपी थरवई अजेंद्र यादव का कहना है कि सात अक्टूबर को पुजारी ने दो लोगों के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी मामले की जांच जारी है। वर्ष 2023 में भी गंगापार में हुई थी पुजारी की हत्या गंगापार के नवाबगंज थाना क्षेत्र के आनापुर में 1 अक्तूबर, 2023 को एक पुजारी की हत्या हुई थी। यह वारदात चोरी के दौरान पकड़े जाने के डर से की गई थी। छह बदमाश एक फैब्रिकेशन की दुकान में चोरी की योजना से पहुंचे थे। बारिश के कारण वे मंदिर में घुस गए, जहां पुजारी सो रहे थे। पुजारी के जागने और विरोध करने पर बदमाशों ने उनसे मारपीट की। उन्होंने पुजारी के मुंह में कपड़ा ठूंसा, गमछे से गला कसा और हाथ-पैर बांध दिए। पुजारी का शव मंदिर के पास खेत में फेंक दिया गया था। तत्कालीन डीसीपी गंगानगर अभिषेक भारती ने इस हत्याकांड का खुलासा किया। शुरूआत में पारिवारिक विवाद की आशंकाएं भी जताई गई थीं। लेकिन पुलिस जांच में चोरी के दौरान पकड़े जाने का डर ही हत्या का कारण निकला। मनसैता ग्राम प्रधान जानकी नाथ यादव ने बताया कि लोगों के सहयोग से मंदिर परिसर में ही साधु दयाल दास की समाधि बनवाई जाएगी। उन्होंने पिछले 25 वर्ष में मंदिर परिसर में अनेक कार्य करवाए। उनके प्रयास को क्षेत्र की जनता नहीं भूलेगी। इसके लिए दयाल दास को कई लोगों का विरोध भी झेलना पड़ा। उनकी हत्या के बाद चर्चा होती रही कि अब इस जमीन की सुरक्षा, मंदिर की देखरेख और देवी-देवताओं की पूजा कौन करेगा? तीन दिन से थाने के चक्कर लगा रहे थे दयाल दास मंदिर परिसर में कुछ निर्माण कार्य चल रहा था। ठेकेदार ने साधु दयाल दास के रहने वाले कमरे में प्लास्टर कराने की बात कहते हुए ताला बंद कर दिया था। सर्दी बढ़ने पर उन्होंने कमरे को खोलने के लिए कहा था लेकिन ठेकेदार ने कमरा नहीं खोला। ताला खुलवाने के लिए दयाल दास ने पुलिस से मदद मांगी थी। दो दिन पहले पुलिस मंदिर आई थी लेकिन कमरा नहीं खुल पाया था। तीन दिन से वह थाने के चक्कर लगा रहे थे।मजबूरी में बाबा दुर्गा मंदिर के बरामदे में रहते थे। मान्यता है कि महाभारत काल में पांडवों के अज्ञातवास के दौरान प्यास लगने पर भीम ने गदा मारकर यहां धरती से पानी निकाला था।



नेटफ्लिक्स सीरीज 'टनल मेन' में लीड रोल में नजर आएंगी तब्बू

उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन की कहानी अब वेब सीरीज के जरिए दर्शकों तक पहुंचेगी। YRF (यश चोपड़ा) एंटरटेनमेंट की नेटफ्लिक्स सीरीज 'टनल मेन' में बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू लीड रोल में नजर आएंगी। यह पहली बार होगा, जब तब्बू किसी हिंदी ओरिजिनल स्ट्रीमिंग सीरीज में काम करेंगी। टनल मेन को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। सीरीज 2023 में उत्तरकाशी की सिलक्यारा-बड़कोट सुरंग में हुए रेस्क्यू ऑपरेशन की घटनाओं और उससे जुड़े मानवीय जज्बे से प्रेरित एक काल्पनिक ड्रामा होगी। नवंबर 2023 में सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढहने से 41 मजदूर अंदर फंस गए थे। उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए 17 दिन तक चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया था। देश-दुनिया की एजेंसियों और विशेषज्ञों की मदद से सभी मजदूरों को बाहर निकाला गया था। 'टनल मेन' में इसी अभियान के दौरान दिखे धैर्य, टीमवर्क, साहस और उम्मीद की कहानी को पर्दे पर पेश किया जाएगा। तब्बू ने तीन दशक से ज्यादा लंबे करियर में हिंदी के साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में भी काम किया है। 'माचिस' और 'चांदनी बार' में अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। वहीं 'मकबूल', 'हैदर' और 'अंधाधुन' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को सराहा गया। वह मीरा नायर की फिल्म 'द नेमसेक', आंग ली की 'लाइफ ऑफ पाई' और सीरीज 'ड्यून: प्रोफेसी' में भी नजर आ चुकी हैं। 'द रेलवे मेन' का निर्देशन कर चुके शिव रवैल 'टनल मेन' के शोरनर के रूप में वापसी कर रहे हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के सीईओ अक्षय विधानी के नेतृत्व में हेड ऑफ कंटेंट बने सौगता मुखर्जी का यह पहला प्रोजेक्ट है।

हेनरी बोले- डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं

नई दिल्ली । भारत के साथ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी पूरी तरह प्रभावहीन रहे थे। डफी ने 33 ओवर में 201 रन लुटाकर महज 1 विकेट लिया था। इस प्रदर्शन के बाद आलोचना का शिकार हुए डफी को टीम के सीनियर तेज गेंदबाज मैट हेनरी का समर्थन मिला है। मैट हेनरी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैकब डफी एक 'क्लासी बॉलर' हैं। उन्होंने इतने सालों में दिखाया है कि वह पूरी तरह से टीम के बारे में सोचते हैं। जब हम सुझाव देते हैं कि शायद हम यहां एक प्लान बनाएं, तो वह अपने निजी आंकड़ों के बारे में चिंतित नहीं होते।' हेनरी ने कहा, 'डफी की स्किल पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए, ऐसे पल थे जब हमें किसी ऐसे खिलाड़ी की जरूरत थी जो एक अलग प्लान आजमा सके, और वह ऐसा करने के लिए तैयार था। मुझे लगता है कि शायद यही टीम की क्वालिटी है। यह नतीजे की चिंता नहीं है, बल्कि यह है कि आप गेम पर कैसे असर डालने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ सालों में यह दिखा है, उसके ऐसे माइंडसेट की वजह से उसके असर मैच जिताने वाले रहे हैं। इसलिए हम उसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं।'



उन्होंने कहा कि बेसिन रिजर्व पर गेंद बहुत कम स्लिप तक जा पाती थी। इस वजह से डफी को आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर फेंकने के लिए कहा गया था और उन्होंने यही किया। जैकब डफी का नाम न्यूजीलैंड के लिए तीनों फॉर्मेट के बेहतरीन गेंदबाजों के तौर पर लिया जाता है। दाएं हाथ का मध्यम गति का यह तेज गेंदबाज 5 टेस्ट में 26, 27 वनडे में 49 और 52 टी20 में 67 विकेट ले चुका है। न्यूजीलैंड को क्राइस्टचर्च में भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में डफी से वेलिंगटन वाले प्रदर्शन को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

वैभव सूर्यवंशी के तूफानी दोहरे शतक की दुनियाभर में चर्चा, हिल गई रिकार्ड बुक

नई दिल्ली । 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के तूफानी 'दोहरे शतक' की मदद से भारत-ए ने मंगलवार को यूएई के खिलाफ 7 विकेट से दमदार जीत दर्ज की। इस दौरान वैभव ने लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक, सबसे तेज 150 रन और सबसे तेज दोहरे शतक के साथ सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम ने हरप्रीत सिंह भाटिया (130) की शतकीय पारी की मदद से 8 विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। इस पारी में अरशद खान ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। इसके बाद वैभव ने तूफानी पारी खेलकर भारतीय टीम को महज 14.2 ओवरों में जीत दिला दी। यूएई के खिलाफ महज 28 गेंदों में शतक जड़कर वैभव सूर्यवंशी लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ दोहा फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में वैभव ने 53 गेंदों में 7 चौकों और 28 छक्कों के साथ 204 रन कूटे। इसी के साथ वैभव ने साउथ अफ्रीका के जेक फ्रेजर-मैकगर्क का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने साल 2023 में तस्मानिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक पूरा किया था। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर साउथ अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स हैं, जिन्होंने साल 2015 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 31 गेंदों में यह कारनामा किया था। बिहार की तरफ से खेलते हुए सकीबुल गनी ने साल 2025 में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों में शतक पूरा किया था।

यह मुकाबला विजय हजारे ट्रॉफी में खेला गया था। वहीं, ईशान किशन इस लिस्ट में पांचवें पायदान पर हैं, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी 2025 में झारखंड के कप्तान के तौर पर महज 33 गेंदों में कर्नाटक के विरुद्ध शतक पूरा किया था।



यूएई के खिलाफ मुकाबले के दौरान वैभव ने सातवें ओवर की सभी गेंदों पर बाउंड्री लगाई। इस दौरान 6, 4, 4, 6, 6, 4 के साथ कुल 30 रन कूट दिए।इसके बाद वैभव ने महज 40 गेंदों में सबसे तेज 150 रनों का आंकड़ा छुआ। लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वैभव ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले, उन्होंने साल 2025 में बिहार की तरफ से खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 59 गेंदों में यह कारनामा किया था। इस लिस्ट में एबी डिविलियर्स तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने 64 गेंदों (साउथ अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज, 2015) में ऐसा किया था।

वैभव की रिकार्ड पारी में युवराज की बड़ी भूमिका

नई दिल्ली । एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के दौरान मंगलवार को इंडिया ए की तरफ से खेलते हुए सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने ऐतिहासिक पारी खेली। यूएई ए के खिलाफ वैभव ने मात्र 53 गेंदों पर 28 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 204 रन की पारी खेली। इस दौरान वैभव ने 28 गेंदों पर शतक और 52 गेंदों पर दोहरा शतक लगाया। वैभव द्वारा लगाया गया लिस्ट ए इतिहास का यह सबसे तेज शतक और दोहरा शतक है। वैभव ने इस ऐतिहासिक पारी को खेलने के बाद बीसीसीआई टीवी से बात करते हुए कहा कि पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से हुई आधे घंटे की बातचीत ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैंने कल सिर्फ चार लोगों से बात की। इसमें मेरे पिता, मेरे बचपन के कोच मनीष ओझा, मेरे अंडर-19 के दोस्त प्रथम जाचक और युवराज सिंह थे। युवराज सिंह से मैंने लगभग आधे घंटे तक बात की। उन्होंने मुझे मेरी बैटिंग के बारे में काफी कुछ समझाया। मैं काफी परेशान था।' उन्होंने कहा, 'मैं जब बैटिंग करने जाता था, तो मुझे जो दिक्कतें आ रही थीं, उनके बारे में मैंने उनसे खुलकर बात की। उन्होंने मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से समझाया। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैं 20 बॉल खेलता, तो स्कोर अलग होता। उन्होंने मुझे कुछ तकनीकी बातें भी समझाईं, जिससे मुझे बहुत मदद मिली।'

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग...ब्रुक और रूट की बादशाहत बरकरार

भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा



नई दिल्ली । आईसीसी ने टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग बुधवार को जारी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, भारतीय कप्तान शुभमन गिल और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बड़ा फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक पहले, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट दूसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को एक स्थान का घाटा हुआ है। हेड चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक स्थान की छलांग के साथ छठे और भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीन स्थान की छलांग के साथ सातवें स्थान पर हैं।

न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र को 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह आठवें स्थान पर हैं। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 5 स्थान की छलांग के साथ नौवें और अफगानिस्तान के कप्तान रहमत शाह 2 स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं।



दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन 10 स्थान की छलांग के साथ 16वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 13 स्थान की छलांग लगाते हुए 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं।शीर्ष 10 गेंदबाजों की रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पहले स्थान पर, भारत के जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे, इंग्लैंड के ओली रॉबिनसन दो स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन और न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को दो-दो स्थान का नुकसान हुआ है। दोनों क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा दो स्थान की छलांग लगाते हुए छठे, दक्षिण अफ्रीका के सिमरोन हार्मर सातवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड दो स्थान के नुकसान के साथ आठवें, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस नौवें और ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दसवें स्थान पर हैं।

वॉर्नर ने भी कराया रजिस्ट्रेशन

आईपीएल: नीलामी में दिखेगा 'जूनियर सहवाग' का जलवा!

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बड़ी और रोमांचक खबर सामने आई है। इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन यानी 2027 में एक बार फिर 'सहवाग' सरनेम की गूंज सुनाई दे सकती है। पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आखिरी बार साल 2015 में पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल खेला था। अब करीब 12 साल बाद उनके बेटे आर्यवीर सहवाग ने आईपीएल 2027 प्लेयर ऑक्शन की सूची में अपना नाम रजिस्टर कराकर फैंस की उम्मीदें जगा दी हैं। हालांकि, इस लिस्ट में एक चौंकाने वाला नाम गायब है। पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने इस साल नीलामी में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

अंडर-19 एशिया कप में शानदार प्रदर्शन का मिला इनाम

आर्यवीर सहवाग ने अपने करियर में पहली बार आईपीएल ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हाल ही में संपन्न हुए अंडर-19 एशिया कप 2026 में उनके धमाकेदार प्रदर्शन ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया था। दोहा में खेले गए रोमांचक फाइनल में भारत की अंडर-19 टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर खिताब जीता था। इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार बल्लेबाजी के लिए आर्यवीर को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था।

गोवा में सजेगा बाजार, दांव पर होंगे 296 करोड़ रुपये

आईपीएल 2027 का प्लेयर ऑक्शन आगामी 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित किया जाएगा। नीलामी के लिए कुल 1220 खिलाड़ियों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, इस सूची में 939 भारतीय और 17 देशों के 281 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, फ्रेंचाइजी के पास खर्च करने के लिए करीब 296 करोड़ रुपये का पर्स उपलब्ध होगा। युवा प्रतिभाओं के साथ-साथ दुनिया भर के कई दिग्गज क्रिकेटरों ने भी इस नीलामी के लिए अपना नाम भेजा है। हालांकि, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बाद अब 1220 खिलाड़ियों में से गिने चुने या यूं कहें 300 से 500 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट किए जाएंगे, जो 16 दिसंबर को होने वाले ऑक्शन में उतरेंगे।



बेन स्टोक्स और डेविड वॉर्नर की 2 करोड़ के ब्रैकेट में वापसी

अंतरराष्ट्रीय सितारों की बात करें तो इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने 2 करोड़ रुपये के उच्चतम बेस प्राइस में खुद को रजिस्टर किया है। 35 वर्षीय स्टोक्स ने इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और वह आखिरी बार 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स (ष्ट्स्च्) के लिए आईपीएल खेले थे। अब तक के अपने आईपीएल करियर में स्टोक्स ने राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए 45 मैचों में 935 रन बनाए हैं और 28 विकेट झटके हैं। भारतीय खिलाड़ियों में तेज गेंदबाज आवेश खान और दीपक चाहर ने भी खुद को दो करोड़ के शीर्ष ब्रैकेट में रखा है।

ईशांत शर्मा और नीतीश राणा भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची मेंनीलामी के लिए जारी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और बल्लेबाज नीतीश राणा के नाम भी शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि दोनों भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं और आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव रखते हैं। आईपीएल के नियमों के मुताबिक, अगर किसी भारतीय खिलाड़ी ने पिछले पांच साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है तो उसे नीलामी में अनकैप्ड खिलाड़ी की श्रेणी में रखा जाता है।इसी नियम के कारण ईशांत और नीतीश को अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। दोनों खिलाड़ियों का बेस प्राइस 50 लाख रुपये रखा गया है। इनके अलावा भारत के मनदीप सिंह, मयंक मार्कंडेय, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया भी अनकैप्ड खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

बोलैंड-रिचर्डसन ने कराया रजिस्ट्रेशन

आईपीएल 2027 की नीलामी में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड और झाय रिचर्डसन ने भी अपना नाम दर्ज कराया है, हालांकि दोनों की उपलब्धता सीमित रहने वाली है। बोलैंड ने 2016 में आईपीएल के सिर्फ दो मैच खेले थे। उनका बेस प्राइस एक करोड़ रुपये है, लेकिन माना जा रहा है कि वह इस सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे। वहीं, रिचर्डसन को पंजाब किंग्स ने 2021 सीजन से पहले 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने अधिकतम दो करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। हालांकि, वह पूरे सीजन के बजाय सिर्फ आधे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहेंगे। रिचर्डसन ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में खेल चुके हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज बेवॉन-जॉन जैकब्स ने भी नीलामी के लिए अपना नाम दिया है, लेकिन वह टूर्नामेंट के सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्से के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स 80 प्रतिशत लीग के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं, मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2027 के लिए अपना नाम उपलब्ध नहीं कराया है। ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेविस हेड भी इस सीजन की नीलामी के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

अन्य युवा सितारे भी ऑक्शन के मैदान में

आर्यवीर अकेले अंडर-19 स्टार नहीं हैं जो इस नीलामी का हिस्सा बनने जा रहे हैं। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीत के हीरो रहे मोहित उल्वा ने भी ऑक्शन के लिए अपना नाम दिया है। इसके अलावा अंडर-19 टीम के अन्य प्रमुख खिलाड़ी काव्य पटेल और मनल चौहान भी नीलामी में उतरेंगे। इन सभी युवा भारतीय खिलाड़ियों का बेस प्राइस 30 लाख रुपये रखा गया है। दूसरी तरफ, अंडर-19 टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी और अन्वय द्रविड़ ने खुद को इस ऑक्शन से अलग रखा है।

केंद्र ने 'डाक संचालन' योजना को जारी रखने की मंजूरी दी; 1,141 करोड़ रुपए होंगे खर्च

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने बुधवार को 16वें वित्त आयोग के कार्यकाल (वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31) के दौरान 'डाक संचालन' योजना को जारी रखने की मंजूरी दे दी। इस योजना के लिए 1,141 करोड़ रुपए का प्रस्तावित बजट निर्धारित किया गया है।

कैबिनेट के एक बयान के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य देशभर में डाक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, परिचालन दक्षता में सुधार करना और लॉजिस्टिक्स, ई-कॉमर्स एवं डिजिटल सेवाओं की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना है।

बयान में कहा गया, 'यह योजना डाक बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, अंतिम छोर तक डिलीवरी व्यवस्था को मजबूत करने, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और देशभर में ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप सेवाओं की उपलब्धता बेहतर बनाने में मदद करेगी।'

इस योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों की अवधि में लागू किया जाएगा। इस योजना के छह घटक हैं।

इसमें पहला ग्रामीण कारोबार और डाक नेटवर्क तक पहुंच बढ़ाना है। इसके लिए 120 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना, एक समान ब्रांडिंग व्यवस्था लागू करना और संसाधनों का बेहतर उपयोग करना है, ताकि विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के डाकघरों को कुशल और नागरिक-केंद्रित सेवा केंद्रों में बदला जा सके।

इस घटक का लक्ष्य वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और स्थानीय आर्थिक विकास को मजबूत करना है। साथ ही, दूरदराज और कम सुविधाओं वाले क्षेत्रों में अंतिम छोर तक डिलीवरी एवं डाक और नागरिक-केंद्रित सेवाओं तक पहुंच में सुधार करना भी इसका उद्देश्य है।

दूसरा घटक डाक नेटवर्क का अनुकूलन है। इसके लिए 575 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इसके तहत केंद्रीकृत डिलीवरी प्रणाली, मशीनीकरण, एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी (एपीटी 2.0) के अंतर्गत आधुनिक आईटी समाधान, जीआईएस आधारित सेवाओं और उन्नत बुनियादी ढांचे के माध्यम से डाक परिचालन का आधुनिकीकरण किया जाएगा।

इस पहल में डिलीवरी डाकघरों, डाक प्रबंधन प्रणालियों, मेल मोटर सर्विस (एमएमएस) कार्यशालाओं, सड़क परिवहन नेटवर्क और आधुनिक स्मार्ट 24×7 लेटर बॉक्स को मजबूत करना भी शामिल है। इसका उद्देश्य पूरे नेटवर्क में परिचालन दक्षता, पारदर्शिता, सेवा गुणवत्ता और लॉजिस्टिक्स की विश्वसनीयता बढ़ाना है।

तीसरा घटक पार्सल नेटवर्क का अनुकूलन है। इसके लिए 278 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। इसमें पार्सल हब का निर्माण और पार्सल पैकेजिंग यूनिट (पीपीयू) का विस्तार शामिल है। यह काम नए सिरे से तैयार की गई छंटाई व्यवस्था के अनुरूप किया जाएगा, ताकि पार्सल की आवाजाही आसान हो, हैंडलिंग के चरण कम हों, क्षमता संबंधी बाधाएं दूर हों और पार्सल पहुंचने में लगने वाला समय घटाया जा सके। चौथा घटक अंतरराष्ट्रीय डाक के लिए बुनियादी ढांचे का उन्नयन और विस्तार है। इसके लिए 8 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। इसका उद्देश्य विदेशी डाकघरों (एफपीओ) और उप-विदेशी डाकघरों (एसएफपीओ) के बुनियादी ढांचे को उन्नत करके अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं को मजबूत करना और विदेशों से आने-जाने वाली डाक सामग्री के प्रसंस्करण में तेजी लाना है।

संक्षिप्त समाचार

चीन में अधिकारी को मौत की सजा: पहले दोस्ती, फिर धमकी; विदेशी खुफिया एजेंट ने जासूसी के लिए कैसे फंसाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन में एक अधिकारी को किसी दूसरे देश के लिए जासूसी करने के मामले में मौत की सजा सुनाई गई है। उसने देश के गोपनीय दस्तावेज और जानकारी विदेशी खुफिया एजेंसी को दी थी। सरकारी संस्था से जुड़ी एक प्रकाशन कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। गोल्ड वॉल प्रेस नाम की इस कंपनी का संबंध चीन के राष्ट्रीय गोपनीयता संरक्षण प्रशासन से है। कंपनी ने बताया कि दोषी अधिकारी का उपनाम मा था। वह विदेश में काम कर रहा था। इसी दौरान एक विदेशी खुफिया एजेंसी ने उससे संपर्क किया। एजेंसी ने उसे अपने लिए काम करने के लिए तैयार किया। चीन की अदालतें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी आमतौर पर सार्वजनिक नहीं करतीं। लेकिन अब ऐसे मामले सामने आने लगे हैं। पिछले कुछ वर्षों से चीन का राज्य सुरक्षा मंत्रालय और गोल्ड वॉल प्रेस ऐसे मामलों की जानकारी ज्यादा देने लगे हैं। ये संस्थाएं गिरफ्तारी की जानकारी देती हैं। साथ ही, सोशल मीडिया, फिल्म और कॉमिक्स के जरिये भी लोगों को जासूसी के खतरे के बारे में चेतावनी देती हैं।

शेख हसीना 16 दिसंबर को लौटेंगी बांग्लादेश

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 16 दिसंबर को अपने देश लौटने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने राष्ट्रीय विमानन कंपनी बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस से दिल्ली से उड़ान की मांग की है। उनकी प्रस्तावित वापसी मृत्युदंड, प्रत्यर्पण अनुरोध और बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच हो रही है। यह पहली बार है जब उन्होंने अपनी वापसी की तारीख तय की है। बांग्लादेश में राजनीतिक और कानूनी तनाव लगातार बढ़ रहा है। 16 दिसंबर बांग्लादेश में विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह 1971 में पाकिस्तान से देश की मुक्ति का प्रतीक है। हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री इस अवसर पर ढाका लौटना चाहती हैं। हसीना 15 साल के शासन को समाप्त करने वाले छात्र-नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद देश छोड़कर भागी थीं। वह दो साल से अधिक समय पहले भारत में निर्वासन में चली गई थीं। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से दिल्ली से उनके परिवहन की व्यवस्था करने का आग्रह किया है। उनका तर्क है कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उनकी वापसी में सहायता करे। यह घोषणा हसीना द्वारा नए बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) मांगने के हफ्तों बाद आई है। उन्होंने अपनी वापसी को सुविधाजनक बनाने के लिए ये दस्तावेज मांगे थे। अगस्त 2024 में भारत भागने के बाद उनके मौजूदा दस्तावेज रद कर दिए गए थे। उनके कानूनी प्रतिनिधियों, लंदन स्थित मैट्रिक्स चैंबर्स ने 9 नवंबर को बांग्लादेश हाई कमीशन से संपर्क किया। उन्होंने नई दिल्ली में दस्तावेज के जारी करने की मांग की थी।

स्टॉर्मी डेनियल्स हश मनी केस: ट्रंप को सजा रद्द कराने का नया रास्ता मिला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी मामले में अपनी आपराधिक सजा रद्द कराने की दिशा में नया कानूनी रास्ता मिल गया है। संघीय अपील अदालत ने सोमवार को मामले को न्यूयॉर्क की राज्य अदालत से संघीय अदालत में स्थानांतरित करने का रास्ता खोल दिया। इससे ट्रंप को राष्ट्रपति पद से जुड़ी कानूनी छूट का आधार लेकर अपनी दोषसिद्धि रद्द कराने की मांग करने का मौका मिल सकता है। दूसरी अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें ट्रंप के मामले को राज्य अदालत में ही रखने का निर्णय दिया गया था। इसी अदालत में ट्रंप पर 34 गंभीर आपराधिक आरोपों में मुकदमा चला था और उन्हें दोषी ठहराया गया था। मामला वयस्क फिल्मों की अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स को दिए गए 1.30 लाख डॉलर के भुगतान को छिपाने के लिए कारोबारी रिकॉर्ड में हेराफेरी से जुड़ा है।

निचली अदालत को जल्द फैसला देने का निर्देश

अपील अदालत ने निचली अदालत को जल्द फैसला करने का निर्देश दिया है कि मामले को संघीय अदालत में रखा जाना चाहिए या नहीं। यदि मामला संघीय अदालत में जाता है, तो ट्रंप यह दलील दे सकते हैं कि राष्ट्रपति पद से जुड़े कार्यों के लिए मिली कानूनी छूट के आधार पर उनकी दोषसिद्धि रद्द की जाए। इस फैसले के बाद न्यूयॉर्क की राज्य अदालत में ट्रंप की ओर से दायर समानांतर अपील की कार्यवाही भी रुक गई है। ट्रंप ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है।

बीजेपी-अकाली दल गठबंधन को सचिन पायलट ने बताया, हताशा का गठबंधन

-कहा- दोनों दलों के अलग होने के कारण आज तक स्पष्ट नहीं, जनता तय करेगी बेहतर विकल्प



चंडीगढ़ , एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल के फिर साथ आने पर कांग्रेस ने निशाना साधा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पंजाब मामलों के प्रभारी सचिन पायलट ने दोनों दलों के गठबंधन को 'हताशा का गठबंधन' बताया। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में दोनों दलों के लिए राजनीतिक जगह नहीं बची है।

भाजपा और अकाली दल ने मंगलवार को गठबंधन की घोषणा की थी। छह साल बाद शिअद की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि गठबंधन में मुख्यमंत्री पद शिरोमणि अकाली दल के पास रहेगा और वह 'बड़े भाई' की भूमिका में होगा।

पायलट ने कहा कि यह समझौता और हताशा का गठबंधन है, क्योंकि दोनों दलों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि छह साल पहले वे किन कारणों से अलग हुए थे। उन्होंने सवाल किया कि वे कौन से कारण थे, जिनकी वजह से भाजपा और शिअद ने अपना पुराना गठबंधन तोड़ा था।

उन्होंने भाजपा से सवाल करते हुए कहा कि क्या केंद्र सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कोई गारंटी दी है और क्या तीन कृषि कानूनों को लेकर माफी मांगी गई है। उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान दिल्ली की सीमाओं पर जान गंवाने वाले किसानों के प्रति अकाली दल के रुख पर भी सवाल उठाया।

पायलट ने कहा कि दोनों दलों का फिर साथ आना उनकी अपनी पसंद है और जनता ही तय करेगी कि उसके लिए बेहतर विकल्प कौन है। गौरतलब है कि शिअद ने सितंबर 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर भाजपा के साथ अपना 24 साल पुराना गठबंधन तोड़ दिया था। बाद में केंद्र सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए थे।

सेना पर हमले की थी साजिश में आतंकी वांटेड उजैद गिरफ्तार

- बम वाली जैकेट पहनकर आर्मी का चेकपोस्ट उड़ाने का था प्लान

मेरठ, एजेंसी। यहां एक बड़ी कार्रवाई के तहत जम्मू-कश्मीर से वांटेड संदिग्ध आतंकी उजैद को स्वॉट टीम ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर उजैद और उसके साथी किशोरों को आत्मघाती आतंकी (फिदायीन) बनाने का मॉड्यूल चला रहे थे। इनका मकसद जम्मू-कश्मीर में आर्मी कैंपों और आर्मी काफिले पर उरी और पुलवामा जैसे बड़े हमले करना था। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बनियापाड़ा, कोतवाली मेरठ निवासी उजैद की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि वह फिदायीन हमलों में इस्तेमाल होने वाली एक्सप्लोसिव जैकेट लेने के लिए गुरैज वैली के रास्ते पाकिस्तान में ट्रेनिंग के लिए जाने वाला था। उजैद उसी आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था जिसका खुलासा पिछले साल नवंबर में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने किया था। उस दौरान साजिद नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था, जबकि उजैद पिछले 10 माह से फरार चल रहा था। उजैद और साजिद सहित कुछ युवक सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर और आईएसआई एजेंट के संपर्क में आए थे। इन्हें किशोरों को आत्मघाती हमलों के लिए तैयार करने और आतंकी मॉड्यूल में शामिल करने का टास्क दिया गया था। पकड़ा गया उजैद पाकिस्तानी आतंकी मौलाना मसूद अजहर, तारिक मसूद और डॉ इशरार का प्रशंसक था और उनके वीडियो देखता था। इन्हीं वीडियो पर कमेंट करने के दौरान वह पाकिस्तानी हैंडलर की नजर में आया। इंस्टाग्राम, सेशन ऐप और सिग्नल ऐप पर 'ट्यूशन-40' और 'ब्रिगेड' नाम से ग्रुप बनाकर उजैद और अन्य को जोड़ा गया था। इन ग्रुपों में पीओके से आतंकी अमीर हमजा, पाकिस्तान के पंजाब से अबू मुसाब और पीओके से फुरकान व कामरान जैसे कई आईएसआई एजेंट जुड़े थे। इन ऐप्स पर बने ग्रुपों में ही हमलों की योजना बनाई गई थी। सेशन ऐप पर बने 'ब्रिगेड' ग्रुप में साजिद ने लिखा था कि वह बम वाली जैकेट पहनकर आर्मी का चेकपोस्ट उड़ा देगा, और 100 प्रतिशत देगा। दूसरे साथी द्वारा जैकेट के बारे में पूछने पर पाकिस्तान से जुड़े हैंडलर ने जवाब दिया था कि वे इसे घर में ही बना लेंगे।

सीजेपी नेता सौरभ दास की विदेश यात्रा पर रोक

- दीपके की फॉड सलाह पर छिड़ा विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। काम्पैक्ट जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरभ दास को विदेश यात्रा से रोके जाने पर विवाद गहरा गया है। इस घटना के बाद पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने सरकार पर तंज कसते हुए दास को कोई बड़ा फ्रॉड करने की सलाह दे डाली, ताकि उन्हें भी नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे भगोड़ों की तरह देश से बाहर जाने दिया जाए। दीपके ने दास के पासपोर्ट पर उठ रहे सवालों को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा है। सौरभ दास ने सोमवार को आरोप लगाया था कि उन्हें ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट यूनियन के बुलावे पर लंदन जाने से रोका गया है। उन्होंने एक वीडियो साझा कर बताया कि उन्हें पैनल चर्चा और लेक्चर के लिए न्योता मिला था, लेकिन सरकार ने उन्हें यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया। सीजेपी के राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर लिखा, विजय माल्या ने 9 हजार करोड़ रुपये का फ्रॉड किया, नीरव मोदी ने 6 हजार 498 करोड़ रुपये का फ्रॉड किया, और मेहुल चोकसी ने 7 हजार 80 करोड़ रुपये का फ्रॉड किया। इन सभी तीनों को देश छोड़कर भागने दिया गया। सौरभ दास भाई, कोई बड़ा फ्रॉड कर अगर बाहर जाना है तो। उन्होंने इससे पहले भी कहा था कि काश सौरभ ने बैंक लूटा होता या फ्रॉड किया होता, फिर सरकार उसे जरूर लंदन जाने देती। दीपके ने सौरभ दास के पासपोर्ट के मुद्दे पर भी सरकार से सवाल किया। उन्होंने लिखा, सौरभ के पासपोर्ट में गड़बड़ियां? उसका पासपोर्ट तो इसी सरकार ने साल 2019 में जारी किया था। उन्हें 7 साल से कोई गड़बड़ियां नहीं मिली हैं, लेकिन सीजेपी के गठन और सौरभ दास के उसके सबसे बड़े चेहरों में से एक बनने के बाद अचानक मिलने लगीं। उन्होंने यह भी कहा कि दास को हवाई अड्डे पर रोक लिया गया और बताया गया कि वह भारत से बाहर नहीं जा सकता। दीपके ने प्रश्न किया, एक भारतीय विदेश यात्रा क्यों नहीं कर सकता? क्या वह अपराधी है? दास द्वारा की गई सबसे बड़ी गलती यह है कि उसने कोई घोटाला या धोखाधड़ी नहीं की। दास ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम ऑक्सफोर्ड यूनियन में 1 दिसंबर को था, जिसमें उन्हें और सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह को आमंत्रित किया गया था। छात्रों ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और क्वीन मैरी विश्वविद्यालय में भी अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई थी।

पश्चिम बंगाल: तेजी से बढ़ा एनसीपीआई का दबदबा, टीएमसी में फिर टूट

कोलकाता , एजेंसी । पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों एक नया सियासी समीकरण आकार ले रहा है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कभी मजबूत गढ़ माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में अब नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) तेजी से अपनी पकड़ बना रही है। इस पार्टी में पहले से ही सायोनी घोष, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय और यूसुफ पठान जैसे चर्चित नेता शामिल हो चुके हैं। तृणमूल के 20 बागी सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने के बाद अब पंचायत स्तर पर भी पार्टी का विस्तार हो रहा है।

उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण बंगाल तक कई पंचायत प्रतिनिधियों के पाला बदलने से ममता बनर्जी के सामने संगठनात्मक चुनौती खड़ी हो गई है। इस घटनाक्रम ने जहां टीएमसी के ग्रामीण आधार पर सवाल खड़े किए हैं, वहीं भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक रणनीति को लेकर भी नई बहस छेड़ दी है।

इस बदलाव की सबसे अहम बात यह है कि एनसीपीआई कोई पुरानी या बंगाल में मजबूत संगठनात्मक आधार वाली पार्टी नहीं है। यह केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है। इसके बावजूद पंचायतों में लगातार हो रहे दलबदल ने उसे राज्य की राजनीति में चर्चा के केंद्र में ला दिया है। एनसीपीआई का यह उत्थान चौंकाने वाला है, क्योंकि हाल तक पश्चिम बंगाल में इसकी न के बराबर संगठनात्मक उपस्थिति थी। तृणमूल कांग्रेस की विधानसभा चुनाव में हार के बाद मची राजनीतिक उथल-पुथल का यह सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा है। इसने बड़ी संख्या में चुने हुए प्रतिनिधियों को अपनी ओर आकर्षित किया है और कई ग्रामीण निकायों में सत्ता का संतुलन बदल दिया है। ताजा घटनाक्रम में सबसे बड़ा असर उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट संसदीय क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

एनसीपीआई का दावा है कि उसने तृणमूल के कब्जे वाली 13 ग्राम पंचायतों और दो पंचायत समितियों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। इस इलाके में संदेशखाली और मीनाखान जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जहां से कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एनसीपीआई में शामिल हुए हैं। मीनाखान पंचायत समिति में 23 सदस्यों में से 13 ने तृणमूल छोड़कर एनसीपीआई का दामन थाम लिया, जिनमें समिति के उपाध्यक्ष भी शामिल हैं। इसी तरह संदेशखाली-ढ्ढढ्ढ पंचायत समिति के 24 सदस्यों में से 17 ने एनसीपीआई का रुख किया है, जबकि संदेशखाली-ढ्ढ की नजात-2 ग्राम पंचायत में 26 में से 19 सदस्य पार्टी छोड़कर चले गए हैं। उत्तर दिनाजपुर जिले की गोलपोखर-द्वितीय पंचायत समिति में भी अध्यक्ष समेत 16 सदस्य एनसीपीआई में शामिल हो गए हैं।



एनसीपीआई का यह विस्तार तृणमूल की चुनावी हार और उसके बाद पार्टी के संसदीय खेमे में हुई टूट के बाद हुआ है। तृणमूल कांग्रेस के 27 लोकसभा सदस्यों में से 20 सदस्य अलग होकर एनसीपीआई में शामिल हो गए थे, साथ ही उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी। तृणमूल कांग्रेस ने एनसीपीआई को भाजपा के मोहरे के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने कहा, भाजपा अपनी बी-टीम और सी-टीम ला रही है। जो लोग दल बदलकर गए हैं, वे भाजपा के एजेंट हैं। वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी आरोप लगाया कि एनसीपीआई का सामने आना, बंगाल में भाजपा के विस्तार को आसान बनाने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

संविधान दिवस पर लखनऊ में कांग्रेस की रैली आज, खड़गे होंगे शामिल

- प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम, आराधना मिश्रा बोलीं—संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प मजबूत करेंगे

लखनऊ,एजेंसी। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को लखनऊ में कांग्रेस की ओर से रैली और कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इसमें शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यक्रम में शामिल होना प्रदेश कांग्रेस के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ पहुंच रहे हैं। मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो लड़ाई लड़ रहे हैं, उसे कांग्रेस सड़क से लेकर प्रदेश स्तर तक और मजबूत करेगी। इसी संकल्प के साथ 26 नवंबर को रैली आयोजित की जा रही है। उत्तर प्रदेश में सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर पूछे गए सवाल पर मिश्रा ने कहा कि करीब साढ़े तीन घंटे तक बैठक हुई और बातचीत सकारात्मक रही। उन्होंने इसे गठबंधन के लिए अच्छी शुरुआत बताया। मिश्रा ने कहा कि गठबंधन को पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा जाएगा और सरकार बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

कनाडा के बिजनेसमैन और उनकी पार्टनर की हत्या के मामले में दो अमेरिकियों को उम्रकैद, डोमिनिका में सुनाई गई सजा

रोसेउ , एजेंसी। कैरेबियाई देश डोमिनिका की एक अदालत ने साल 2023 में हुए कनाडाई बिजनेसमैन डैनियल लैंगलोइस और उनकी पार्टनर डोमिनिक मार्चंड की हत्या मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी रोसेउ की अदालत ने सोमवार को दो अमेरिकी नागरिकों जोनाथन लेहरर और रॉबर्ट स्नाइडर जूनियर को दो-दो बार उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज ने इन हत्याओं को बिना किसी उकसावे के किया गया हमला बताया और कहा कि यह मामला दुर्लभ से भी दुर्लभ (रेयरेस्ट ऑफ द रेयर) की श्रेणी में आता है। दोनों दोषियों को हत्याओं के कुछ दिन बाद ही गिरफ्तार कर लिया गया था और इस साल 28 जुलाई को अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था। हालांकि, दोषियों के वकील ने इस फैसले के खिलाफ अपील करने की बात कही है।



क्या था पूरा मामला : डैनियल लैंगलोइस ने मॉन्ट्रियल स्थित सॉफ्टइमेज नाम की कंपनी की स्थापना की थी। यह कंपनी अपनी 3ष्ठ एनीमेशन तकनीक के लिए जानी जाती है। जिसका इस्तेमाल जुरासिक पार्क, द मैट्रिक्स और टाइटैनिक जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्मों में किया गया है। वह और उनकी पार्टनर मार्चंड दक्षिणी डोमिनिका में कौलीबरी रिजनाम के एक इको-रिसॉर्ट के मालिक भी थे। यह जोड़ा कई दिनों से लापता था। 1 दिसंबर 2023 को रिसॉर्ट के पास गैलियन इलाके में एक जली हुई कार के अंदर उनके शव मिले। न्यू जर्सी में जन्मे चॉकलेट निर्माता लेहरर की जमीन रिसॉर्ट के बगल में थी, जबकि मैकेनिक स्नाइडर उनके लिए काम करता था। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, लेहरर और लैंगलोइस के बीच रिसॉर्ट तक जाने वाली एक सड़क को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था, जो लेहरर की जमीन से होकर गुजरती थी और रिसॉर्ट तक जाने का रास्ता थी। साल 2019 में, एक जज ने लेहरर को आदेश दिया था कि वह इस सड़क को आम लोगों के लिए खुला रखे और यह सुनिश्चित करे कि लैंगलोइस के पास आने वाले लोग बिना किसी रोक-टोक के इसका इस्तेमाल कर सकें। हालांकि, लेहरर के परिवार के प्रतिनिधियों ने इस बात से इनकार किया है कि सड़क को लेकर चल रहा विवाद इन हत्याओं की वजह था। पिछले हफ्ते परिवार की प्रवक्ता सिल्वी डेस्लौरियर्स ने लैंगलोइस की मां की ओर से एक भावुक बयान जारी किया।" और उनकी मौत के लगभग तीन साल बाद परिवार उन्हें अंतिम विदाई दे सका है।

दक्षिण कोरिया के डिफेंस जोन में घुसे रूसी विमान; द्वीप पर 3 मिनट में अलर्ट जारी, लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर जाने का आदेश



सोल , एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने रूसी विमानों के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद अलर्ट जारी किया सियोल, 24 नवंबर (एपी) रूस के कई विमानों ने कोरियाई प्रायद्वीप एवं जापान के बीच समुद्री क्षेत्र के ऊपर दक्षिण कोरिया के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में उड़ान भरी जिसके बाद देश के पूर्वी हिस्से में स्थित एक द्वीप पर अलर्ट जारी किया गया।

दक्षिण कोरिया की सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पहले जारी खबरों में कहा गया था कि विमानों ने देश के संप्रभु हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया लेकिन दक्षिण कोरियाई सेना ने बाद में इन खबरों में संशोधन कर कहा कि विमानों ने उसके हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित वह क्षेत्र होता है जिसमें उड़ान भरने वाले विमानों की पहचान और उनकी गतिविधियों की निगरानी की जाती है। यह क्षेत्र किसी देश के संप्रभु हवाई क्षेत्र से बाहर अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र तक भी फैला हो सकता है। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने अपने बयान में गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय तथा स्थानीय प्रांतीय सरकार की ओर से पहले दी गई उस जानकारी में सुधार किया जिसमें कहा गया कि विदेशी विमानों ने दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया और ये विमान संभवतः रूस या उत्तर कोरिया के थे। सुरक्षा मंत्रालय ने सुबह करीब सात बजकर 52 मिनट पर उल्लुंग द्वीप के निवासियों को भूमिगत केंद्रों या इमारतों में शरण लेने का आदेश दिया लेकिन तीन मिनट बाद यह कहते हुए आदेश वापस ले लिया कि विमान खतरे वाले क्षेत्र से बाहर चले गए हैं। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि रूसी विमानों के वहां से जाने से पहले दक्षिण कोरिया ने हर प्रकार की संभावित स्थिति से निपटने के लिए अपने लड़ाकू विमान रवाना किए थे। उन्होंने तत्काल यह नहीं बताया कि कितने रूसी विमानों का पता चला था और वे किस प्रकार के विमान थे। वर्ष 2022 में भी उल्लुंग द्वीप के निवासियों में उस समय दहशत फैल गई थी, जब दोनों कोरियाई देशों के बीच बढ़ते तनाव के मध्य उत्तर कोरिया ने समुद्र में 20 से अधिक मिसाइल दागी थीं।

एनवीडिया मुख्यालय पहुंचे हुआंग: कर्मचारियों ने तालियों और नारों से किया स्वागत; मस्क बोले- सब चाहते थे वापसी

कैलिफोर्निया, एजेंसी। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग की कंपनी में वापसी पर कर्मचारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कैलिफोर्निया स्थित कंपनी के मुख्यालय पहुंचने पर कर्मचारियों ने जेनसन के लिए तालियां बजाईं और नारे भी लगाए। हुआंग की बहाली पर टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि एनवीडिया में उनके जानने वाले सभी कर्मचारी हुआंग की वापसी चाहते थे। मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें एनवीडिया के कर्मचारी हुआंग का स्वागत करते दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, एनवीडिया में जिन लोगों को मैं जानता हूं, वे सभी जेनसन को वापस चाहते थे और यह वीडियो सब कुछ दिखा रहा है।

पहले किया इनकार, फिर एनवीडिया ने दोबारा बनाया सीईओ : एनवीडिया ने सोमवार को घोषणा की थी कि जेनसन हुआंग को तत्काल प्रभाव से कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर बहाल कर दिया गया है। उन्हें निदेशक मंडल में भी फिर से शामिल किया गया है। कंपनी के बोर्ड ने बयान में बताया कि हुआंग के साथ कई दौर की बातचीत और बैठकों के बाद सर्वसम्मति से उनकी बहाली का



फैसला लिया गया। बोर्ड ने उनके स्पष्ट विचार रखने के तरीके और कंपनी का नेतृत्व करने की क्षमता पर भरोसा जताया।

मस्क और ट्रंप ने फैसले का किया समर्थन : हुआंग की वापसी पर एलन मस्क ने इससे पहले भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि गलती सुधार ली गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी एनवीडिया के फैसले को शानदार बताया और कंपनी को बधाई दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि एनवीडिया ने एक बहुत अच्छा फैसला लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन से जुड़े आरोपों के बीच उन्होंने कंपनी के निदेशक मंडल को हुआंग की स्थिति को लेकर पर्याप्त आश्वासन दिया था। अमेरिकी समाचार चैनल सीएनबीसी से बातचीत में ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने बोर्ड को आश्वासन दिया था कि हुआंग के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया जाएगा। इस पर ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अभियोजन शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था, लेकिन यह जरूर बताया था कि प्रशासन के मुताबिक हुआंग बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने बोर्ड को पर्याप्त भरोसा दिया था।

डेमोक्रेटिक नेता ने फैसले की आलोचना की : हालांकि, अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक नेता और प्रतिनिधि सभा के संभावित स्पीकर हकीम जेफ्रीज ने हुआंग की बहाली की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस फैसले को अनुचित, गैर-जिम्मेदाराना और समझ से परे बताया। जेफ्रीज ने कहा कि कांग्रेस एनवीडिया के कथित कारोबारी अनियमितताओं और वाणिज्य विभाग के प्रमुख हॉवर्ड लुटनिक के कथित तौर पर सत्ता के दुरुपयोग की व्यापक जांच से पीछे नहीं हटेगी। एक्स पर जारी बयान में जेफ्रीज ने आरोप लगाया कि ट्रंप प्रशासन निजी आर्थिक लाभ के लिए अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से समझौता कर रहा है। जेफ्रीज ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में कड़े निर्यात नियंत्रण प्रावधान शामिल करने की मांग भी की। उनका कहना है कि शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का इस्तेमाल चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और अन्य विरोधी ताकतों की ओर से नहीं किया जाना चाहिए।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कांलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com